RNI Reg. No. CHHBIL/2020/80139
Volume- 04 Issue- 04
Bilingual Monthly (Hindi-English)

January 2024
Price- RS 20
32 Pages

# Lok Shakti

लोक शक्ति

## रामो विग्रहवान् धर्मः

# रेशे-रेशे में भरा है कैल्शियम, संतरे से ज्यादा रसीला और सस्ता है किन्नू, जान लें फायदे

सर्दियों में सीजनल फल खाने से शरीर स्वस्थ रहता है। ठंड में ऐसे कई मौसमी फल आते हैं जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं। इन्हीं में से एक है किन्नू। ठंड में आसानी से मिलने वाला किन्नू बिल्कुल संतरे के जैसा लगता है। किन्नू एक खट्टा-मीठा फल है जो पंजाब, हिमाचल में काफी पैदा होता है। किन्नू संतरे से ज्यादा जूसी, खट्टा और सस्ता फल है। पंजाब में किन्नू को फलों के राजा के रूप में जाना जाता है। किन्नू में भरपूर विटामिन सी, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। किन्नू खाने से शरीर को मैग्नीशियम, ग्लूकोज, फ्रुक्टोज, सुक्रोज और कार्ब्स मिलता है। अगर आप रोजाना किन्नू खाते हैं तो इससे हड्डियां और इम्यूनिटी मजबूत होती है। जानिए किन्नू खाने के फायदे।

- **किन्नू खाने के फायदे**
- **पाचन मजबूत बनाए-** ठंड में किन्नू खाने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। किन्नू फाइबर से भरपूर एक रेशेदार फल है, जो कब्ज, पेट में दर्द और पेट फूलने की समस्या को कम करता है। अगर आप हफ्ते में 2 से 3 दिन भी किन्नू खाते हैं तो इससे पाचन तंत्र मजबूत बनता है।
- **वजन घटाने में असरदार-** ठंड में वजन घटाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में किन्नू खाकर आप मोटापा कम कर सकते हैं। सर्दियों में किन्नू खाने से भरपूर फाइबर मिलता है। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और भूख को कंट्रोल किया जा सकता है। किन्नू फाइबर का अच्छा सोर्स है।
- **कोलेस्ट्रॉल को करे कंट्रोल-** सर्दियों में ज्यादातर लोग हाई कोलेस्ट्रॉल से परेशान रहते हैं। ऐसे में किन्नू को डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। किन्नू खाने से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। रोजाना 1 किन्नू खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है। किन्नू खाने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। इससे हार्ट की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है।
- **हड्डियों को बनाए मजबूत-** किन्नू कैल्शियम का अच्छा सोर्स है। उम्र के साथ कमजोर हो रही हड्डियों में जान डालने के लिए रोजाना किन्नू जरूर खाना चाहिए। किन्नू खाने से हड्डियों से जुड़ी कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। इससे हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।
- **इम्यूनिटी मजबूत बनाए-** किन्नू में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनती है। सर्दियों में होने वाले संक्रमण से शरीर को बचाने के लिए किन्नू का सेवन जरूर करें। रोजाना किन्नू खाने से सर्दी जुकाम और बुखार के खतरे को कम किया जा सकता है।

# Lok Shakti

EDITOR-IN-CHIEF Premendra Agrawal
EXECUTIVE EDITOR Rajesh Agrawal
MANAGING EDITOR Mr. Subhash
GROUP CREATIVE EDITOR Anjana
CHIEF ART DIRECTOR Deepika
FOREIGN EDITOR(US) Jamuna
CHIEF DESIGNER Vineeta Agrawal

**RNI: CHHBIL/2020/80139**

**BUSINESS OFFICE**

CHIEF EXECUTING OFFICER Satyabhama Agrawal
GENERAL MANAGER Vinod Agrawal
PUBLISHER Premendra Agrawal
MARKETING DIRECTOR Mr. Subhash
PHOTOGRAPHER Pawan Kumar
DIGITAL Tejas Agrawal
CHIEF PHOTO RESEARCHER Krisha

**HEAD OFFICE**

LOK SHAKTI, Agrasen Marg
Ramsagarpara, Raipur,
Chhattisgarh - 492001 (INDIA)
Whatsapp : 9926022174
e-mail: lokshakti.india@gmail.com

Printed and published by Premendra Agrawal
Editor: Premendra Agrawal.
Printed at Commercial Services
Agrasen Marg, Ramsagarpara, Raipur (CG).
Published from LOK SHAKTI, Agrasen Marg
Ramsagarpara, Raipur (CG).

**YEAR : 04; ISSUE : 04**
**Published for the Month January, 2024**
**Released on January, 2024**

Total no. of pages 32, including Covers


**SCAN AND SHARE**

Read Lok Shakti on your smart phone instantly.
Point your phone's scanner on the code above and align it in the frame.
You will be guided instantly to www.lokshakti.in.

# NAVIGATOR


**05 COVER STORY**
**देश-दुनिया में राम लला की गूंज**

09 वो अनुष्ठान, जिसका पालन करेंगे मोदी
10 राम मंदिर उद्घाटन की धूम
12 नवीकरणीय ऊर्जा की ओर सहज परिवर्तन सुनिश्चित

12 नवीकरणीय ऊर्जा
14 पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)' योजना
15 यूपी
16 छत्तीसगढ
19 मध्यप्रदेश
20 गुजरात
22 कच्चे तेल का नया भंडार
23 ममता राज या गुंडाराज!
24 जलवायु परिवर्तन
25 उड़ान योजना
26 ग्लोबल इकोनॉमी
28 अटल सेतु
29 भारतीय पासपोर्ट
30 देश में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से निकले


## Message from Executive Editor's

We welcome you to our monthly magazine! You will find contents from across sectors including Politics, Education, Health, Economics among others. We have a great emphasis on Opinions, News & Analysis along with hints and Events from across the globe.

We want our publication to be valuable for you so please, do share your feedback and suggestions to help us improve. We have signed you up for our monthly magazine in the hopes that you will find great value in its content. Lok Shakti's publication comes with promise of great growth and change.

With each passing year, Interests and taste change, economies and leadership rise and fall, children age and grow … in truth it sees perhaps the most change of all.

…The media is simply a tool, and it's our job to help you use it in the way that's right for you as well as for the country and the world.

Sincerely,
*Rajesh Agrawal*
Executive Editor

सम्पादकीय

# प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को ठुकराना विनाश काले विपरीतबुद्धि

कांग्रेस ने 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को ठुकरा कर एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो सनातन धर्म का कट्टर विरोधी है। वह हिन्दुओं को अपमानित करने और मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। चाहे इसके लिए उसे कोई भी कीमत चुकानी पड़े। कांग्रेस ने एक वक्तव्य जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद अधीर रंजन चौधरी समेत कांग्रेस के तमाम बड़े नेता अयोध्या नहीं जाएंगे। पिछले महीने राम जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से कांग्रेस के इन नेताओं को अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण मिला था।

कांग्रेस के सामने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने की दुविधा थी। 2024 का आम चुनाव नजदीक आ चुका है। ऐसे में कांग्रेस इस समारोह में शामिल होकर अपने मुस्लिम वोट बैंक को नाराज नहीं होने देना चाहती थी। इसलिए उसने बहाना बनाया कि समारोह का आयोजन बीजेपी और आरएसएस के लोगों द्वारा किया जा रहा है। राजनीतिकरण का आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी ने बाकायदा एक वक्तव्य जारी किया, जिसमें यह कहा गया है कि बीजेपी और आरएसएस ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर को एक राजनीतिक परियोजना बना दिया है। एक अर्धनिर्मित मंदिर का उद्घाटन केवल चुनावी लाभ के लिए किया जा रहा है।

इंडी गठबंधन के तथाकथित सेकुलर और वामपंथी पार्टियों का दोगलापन भी इससे खुलकर सामने आ चुका है, क्योंकि सेकुलर सभी धर्मों का समान आदर और तटस्थता की बात करते हैं, वहीं वामपंथी किसी भी धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। सीपीआई एम महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा था कि न्योते को अस्वीकार करने का कारण धार्मिक कार्यक्रम का 'राजनीतिकरण' है। धार्मिक आस्था का सीधा राजनीतिकरण हो रहा है, जो संविधान के अनुरूप नहीं है। लेकिन जब इफ्तार में सियासी दलों के नेता शामिल होते हैं तो यही सेकुलर और वामपंथी दल मौन हो जाते हैं। यहां तक कि भाइचारा के नाम पर इसको बढ़ावा देते हैं। तब धार्मिक मामलों का राजनीतिकरण नहीं होता है।

कांग्रेस के इस फैसले पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मैं बड़े स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जो लोग राम को मानते ही नहीं थे, वो कुछ भी बहाना बना सकते हैं। ये कार्यक्रम न्यास का है। न्यास ने राम मंदिर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है। उद्घाटन तो प्रधानमंत्री मोदी के हाथ से होना ही चाहिए था। मंदिर समय से बन जाएगा, यह हमें पता नहीं था। हम चुनाव को ध्यान में रखकर कोई काम नहीं करते हैं। हम सड़क भी बनाते हैं और दूसरे काम भी करते हैं।

बीजेपी नेता अनिल एंटनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विनाश काले विपरीतबुद्धि! कांग्रेस अब भारत की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए गए हर फैसले कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए हैं।

# देश-दुनिया में राम लला की गूंज

**देश के लोकतांत्रिक इतिहास के पन्नों पर 13 दिसंबर का दिन फिर काले अक्षरों में दर्ज हो गया है। जिस तरह 22 साल पहले 13 दिसंबर 2001 को आंतकियों ने संसद पर हमला करके पूरे देश को झकझोर दिया था, उसी तरह दिग्भ्रमित उपद्रवियों ने लोकतंत्र के मंदिर की सुरक्षा में सेंध लगाकर पूरे देश में सनसनी पैदा कर दी। उपद्रवियों और उनके संरक्षकों ने बता दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकतांत्रिक तरीके से परास्त नहीं कर सकते तो अराजकता और आतंकवाद का सहारा लेकर देश के खिलाफ भी काम कर सकते हैं। साजिशकर्ताओं ने सुनियोजित तरीके से संसद में दो युवकों की घुसपैठ कराकर प्रधानमंत्री मोदी और देश की छवि को धुमिल करने की कोशिश की है। फिलहाल इस साजिश में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया है। लेकिन इस साजिश में बड़े-बड़े लोगों के शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है। वहीं सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के हमदर्द भी सामने आ चुके हैं।**

अयोध्या में भारी हर्षोल्लास के साथ आयोजित होने होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-दुनिया में उत्साह है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में अपनी भक्ति और सेवा को दिखाने के लिए लोगों ने अलग-अलग तरीकों का सहारा लिया है। किसी ने 108 मीटर लंबी अगरबत्ती तैयार की है तो कोई आभूषण-मुकुट आदि लेकर अयोध्या पहुंच रहा है। इस बीच कोटा के राहुल जैन ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान से प्रेरणा लेकर अयोध्या राम मंदिर के लिए दो विशेष झाड़ू का निर्माण कराया है। इसमें सबसे खास बात यह है कि सोने-चांदी की मूठ वाले इन झाड़ुओं को तीन मुस्लिम युवाओं ने पूरी आस्था के साथ बनाया है। आपको बता दें कि राहुल जैन इससे पहले पीएम मोदी के स्वच्छता अभियान के तहत विशाल झाड़ू का निर्माण कर भिजवा चुके हैं।

पीएम मोदी के स्वच्छता अभियान की प्रेरणा से बनवाई झाड़ू व्यवसायी राहुल जैन के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प सबका साथ सबका विकास के साथ-साथ कौमी एकता का भी है और कोटा में तैयार की गई झाड़ू इसी की अनुपम मिसाल है। प्रभु श्री राम के लिए इस विशेष सोने के झाड़ू को बनाने में अल्ताफ हुसैन ने अपनी कार्य कुशलता का परिचय दिया है। इसके साथ ही चांदी का कार्य तैयब भाई और जुबेर भाई ने खूबसूरती के साथ किया है। मनोज सोनी ने सोने की झाड़ू का कार्य बखूबी करके अपने राम भक्ति का परिचय दिया है। राहलु जैन के मुताबिक पूरा देश राम के नाम में डूबा है। ऐसे में हम भी राम भक्त होने के नाते अपने हिस्से की सेवा भगवान श्री राम के चरणों में प्रस्तुत करना चाहते हैं। राहुल के अनुसार झाड़ू भेंट करने का उद्देश्य पीएम मोदी का स्वच्छता का संदेश देना भी है। उन्होंने भगवान श्री नाथ जी नाथद्वारा मंदिर के लिए भी चांदी का विशेष झाड़ू बनाकर तैयार किया था।अष्टधातु का किया इस्तेमाल, लिम्का बुक का रिकॉर्ड के लिए भेजा

राम लला मंदिर के लिए विशेष झाड़ू बनाने के लिए सोने और चांदी के स्टैंड बनाए गए हैं जिनको आम बोलचाल की भाषा में पाइप कहा जाता है। सोने के झाड़ू को मजबूती देने के लिए अष्टधातु का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इसमें प्रमुख रूप से सोने का इस्तेमाल किया गया

है। सोने और चांदी दोनों झाड़ू की लंबाई करीब के लिए कारीगरों ने दिन-रात कड़ी मेहनत कर इसमें खूबसूरती के रंग भरे हैं। देश की सबसे महंगी झाड़ू में शुमार और आकर्षक होने के साथ भगवान श्री राम मंदिर सेवा में भेजी जा रही सोने और चांदी की झाड़ू को वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए राहुल जैन ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी आवेदन किया है।

**मिजोरम की तक विशेष घास से निर्मित की गई है झाड़ू**

एनडीटीवी राजस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक व्यवसायी राहुल जैन कहते हैं कि ऐसा माना जाता है कि झाड़ू में लक्ष्मी का वास होता है। दीपावली और धनतेरस पर विशेष पूजा की जाती है। इस झाड़ू को बनाने के लिए मिजोरम की ताज मखमली घास का इस्तेमाल किया गया है। जिसको समय-समय पर मंदिर समिति से संपर्क कर बदला भी जा सकेगा। जैन ने बताया कि झाड़ू के निर्माण और राम मंदिर में सोने और चांदी की झाड़ू भेंट करने को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी से सहमति प्राप्त हो गई है। कोटा के प्रसिद्ध गोदावरी धाम पर विशेष पूजा अर्चना के साथ ही सोने और चांदी की झाड़ू के दर्शन करवाए गए।

**पाली से पैरों में स्केटिंग शू पहन अयोध्या रवाना हुए भाई-बहन**

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह युवाओं में ही नहीं, बच्चों में भी देखने को मिल रहा है। राजस्थान के पाली जिले के दो भाई बहन 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल होने के लिए घर से स्केटिंग शू पहनकर निकल पड़े हैं। पाली जिले के रूचियार गांव के निवासी दोनों भाई-बहन पाली से अयोध्या तक लगभग 1000 किलोमीटर से अधिक की दूरी स्केटिंग शू से चलकर तय करेंगे। रामचरितमानस में एक चौपाई है, 'प्रबिसि नगर कीजै सब काजा, हृदय राखि कौशलपुर राजा' को चरित्रार्थ करने निकले 12 वर्षीय कैलाश चौधरी और 7 वर्षीय सिमरन चौधरी की हठ के आगे उनके अभिभावकों की एक न चली और उनके प्रण को पूरा करने के लिए वो भी उनके साथ हो लिए। राम के प्रति आस्था दोनों को उनकी दादी ने अयोध्या भेजने का फैसला किया।

**सिमरन 22 जनवरी को अयोध्या में आठवां जन्मदिन मनाएगी**

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गत 11 जनवरी को दोनों भाई-बहन ने भीनमाल से अपनी यात्रा की शुरूआत की है और पाली पहुंचने पर हिन्दू संगठनों की ओर से उनका स्वागत किया गया। कैलाश के पिता वालाराम चौधरी ने बताया कि उनकी माता पुनि देवी चौधरी भगवान राम की भक्ति भाव में हमेशा लीन रहती है और उनसे प्रेरणा लेकर पुत्र कैलाश और छोटे भाई की पुत्री सिमरन ने अयोध्या यात्रा की योजना बनाई। अयोध्या यात्रा के लिए रवाना हुई 7 वर्षीय सिमरन चौधरी की 22 जनवरी को जन्मदिन है। सिमरन अपना 8वां जन्मदिन अयोध्या पहुंचकर भगवान राम का दर्शन करके मनाना चाहती हैं।कोटा में श्रीराम और सीता माता के लिए 51 तोला सोने के दो मुकुट तैयार

राजस्थान के कोटा जिले के रामधाम आश्रम में 51 तोला सोने से दो मुकुट तैयार करवाए गए हैं। यह दोनों ही मुकुट अयोध्या के लिए रवाना कर दिए गए हैं, जो रामघाट स्थित बड़े भक्तमाल मंदिर में भगवान राम और सीता माता की देव प्रतिमाओं को अर्पित किए जाएंगे। अयोध्या के बड़ा भक्तमाल और कोटा स्थित रामधाम आश्रम के पीठाधीश आचार्य अवधेश कुमार ने बताया कि इन दोनों मुकुट को तैयार करवाने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा है। इसके लिए केकड़ी और जयपुर से कारीगरों को कोटा बुलवाया गया था। आचार्य अवधेश कुमार ने बताया कि इन मुकुट में बनी कलाकृति की खास विशेषता है। 14 साल के वनवास के बाद भगवान राम का जब राज्याभिषेक हुआ था, तो उन्हें जो मुकुट धारण करवाया गया था, इसे हूबहू उसी स्वरूप में बनवाया गया है। इसी के आधार पर इसका निर्माण हुआ है. वाल्मीकि रामायण में भी चंद्रिका शैली के मुकुट का उल्लेख है। इस मुकुट में लताएं और अन्य चित्रण क्रमबद्ध रहता है.

**देशभर के 5 लाख मंदिरों में होगा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा**

राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। इसी विश्वास के साथ इस मंदिर को तैयार किया गया है जिसे बनने में 500 साल का समय लगा है। अब अयोध्या में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियां धूमधाम और जोरों-शोरो से की जा रही है। राम मंदिर का न्योता देश के हर घर में भेजा जा रहा है, ताकि इस दिन का वह लाइव रहकर साक्षी बन सके। साथ ही 22 जनवरी के बाद ज्यादा से ज्यादा राम भक्त अपने प्रभु का अयोध्या जाकर दर्शन कर सकें। क्योंकि यह कई पीढ़ियों का सपना था कि अयोध्या में राम जी का मंदिर बने। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूरी अयोध्या नगरी ही नहीं देश-विदेश में भी धार्मिक स्थलों पर तैयारी चल रही है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 5 लाख मंदिरों में एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा, ताकि बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बन सकें। भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मॉरीशस, आयरलैंड, फिजी, इंडोनेशिया और जर्मनी देशों के मंदिरों और अन्य स्थल पर बड़े पैमाने पर रामलला का कार्यक्रमों का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। न्यूयॉर्क शहर में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम दिखेगा।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए जैसे-जैसे 22 जनवरी की तिथि नजकीक आ रही है, वैसे-वैसे भक्तों का उत्साह, उमंग, आस्था और जोश बढ़ता जा रहा है। अपने राम लला के लिए देश-दुनिया से कई चीजें आ रही हैं। चलिए जानते हैं किन-किन जगह से क्या खास चीजें भेजी जा रही हैं।

**राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद सोने की पादुकाएं विराजित होंगी**

राम लला मंदिर में सोने-चांदी की बनी चरण पादुकाएं भी दर्शनार्थ रखी जाएंगी। हैदराबाद में एक किलो और सात किलो चांदी से इसे तैयार किया गया है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनकी चरण पादुकाएं भी रखी जाएंगी। ये पादुकाएं देशभर में घुमाई जा रही हैं। पादुकाएं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव से पहले 19 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगी। ये चरण पादुकाएं एक किलो सोने और सात किलो चांदी से बनाई गई हैं। इन्हें हैदराबाद के श्रीचल्ला श्रीनिवास शास्त्री ने बनाया है। ये पादुकाएं सोमनाथ ज्योतिर्लिंग धाम, द्वारकाधीश नगरी और इसके बाद बद्रीनाथ के होते हुए अयोध्या लाई जाएंगी। श्रीचल्ला श्रीनिवास इन पादुकाओं को हाथ में लेकर अयोध्या में निर्माणाधीन मंदिर की 41 दिन की परिक्रमा भी कर चुके हैं।युवाओं में राम का क्रेज, पीठ पर बनवा रहे राम लला मंदिर का टैटू

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इंदौर के युवाओं में अलग ही क्रेज है। 22 जनवरी के राम ज्योति महोत्सव के लिए दुकानें, सड़क, मॉल, बाजार भगवान 'श्रीराम' के बैनर, पोस्टर, झंडे आदि से सजने लगे हैं। युवाओं में 'श्रीराम' भक्ति का जुनून इस कदर है कि वे सिर पर 'श्रीराम' का नाम, सीने और बांह पर भगवान का फोटो और पीठ पर रामलला मंदिर का टैटू बनवा रहे हैं। इंदौर के एक टैटू आर्टिस्ट ने भक्ति स्वरूप 20-21 जनवरी को 'श्रीराम' से संबंधित 1008 टैटू फ्री में बनाने की घोषणा भी की है। इधर, 6 हजार पतंगों से श्रीराम प्रतिकृति बनाई। युवाओं में पिछले कुछ सालों से धार्मिक प्रसंगों, गरबा आदि के दौरान में हाथ, सिर, गले आदि पर टैटू बनवाने का क्रेज बढ़ा है। शहर के सीनियर आर्टिस्ट रोहित सनेचा ने बताया कि अधिकांश युवा हाथ पर 'श्रीराम' गुदवाने के लिए आ रहे हैं। इसी तरह कुछ 'श्रीराम' के नाम के साथ उनकी छोटी फोटो गुदवा रहे हैं, तो कुछ माथे पर छोटे अक्षर में 'श्रीराम' गुदवा रहे हैं।

**राम मंदिर की शोभा बढ़ाएगा 2100 किलो का घंटा**

राम मंदिर में लगने के लिए एक घंटा भी तैयार किया गया है, जो कि इस मंदिर की शोभा बढ़ाएगा। इस घंटे को बनाने में करीब 2 साल का समय लगा है। इसे अष्टधातु से तैयार किया गया है। इससे निकलने वाले आवाज काफी अद्भूत होगी, जो दूर-दूर तक लोगों को सुनाई देगी। इस घंटे को बनाने में करीब 25 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इसका वजन 2100 किलो है। इस घंटे की ऊंचाई 6 फीट और चौड़ाई 5 फीट है। ये घंटा जलेसर में तैयार किया गया है।

**जोधपुर से 600 किलो घी, 11 रथों में 108 कलश**

रामलला की पहली आरती के लिए जोधपुर से घी भेजा गया है। श्रीश्री महर्षि संदीपनी राम धर्म गौशाला के संचालक महर्षि संदीपनी महाराज के मुताबिक 22 जनवरी 2024 में रामलला राम मंदिर में विराजेंगे। रामलला की आरती और हवन में हमारी गौशाला में तैयार घी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह सौभाग्य की बात है कि जोधपुर से रामकाज के लिए घी भेजा है। गौशाला से 11 विशेष रथ रवाना किए गए हैं। इन रथों को गौशाला में ही 6 महीने से तैयार किया जा रहा था। हर रथ पर 3.5 लाख रुपए लागत आई है। इन रथों में 108 स्टील के कलश रखे हैं, जिनमें कुल 600 किलो घी है। यह घी खास तौर से रामलला की पहली आरती और हवन के लिए ही हम 9 साल से तैयार करके इकट्ठा कर रहे थे।

बैनर, पोस्टर, झंडे आदि से सजने लगे हैं। युवाओं में 'श्रीराम' भक्ति का जुनून इस कदर है कि वे सिर पर 'श्रीराम' का नाम, सीने और बांह पर भगवान का फोटो और पीठ पर रामलला मंदिर का टैटू बनवा रहे हैं। इंदौर के एक टैटू आर्टिस्ट ने भक्ति स्वरूप 20-21 जनवरी को 'श्रीराम' से संबंधित 1008 टैटू फ्री में बनाने की घोषणा भी की है। इधर, 6 हजार पतंगों से श्रीराम प्रतिकृति बनाई। युवाओं में पिछले कुछ सालों से धार्मिक प्रसंगों, गरबा आदि के दौरान में हाथ, सिर, गले आदि पर टैटू बनवाने का क्रेज बढ़ा है। शहर के सीनियर आर्टिस्ट रोहित सनेचा ने बताया कि अधिकांश युवा हाथ पर 'श्रीराम' गुदवाने के लिए आ रहे हैं। इसी तरह कुछ 'श्रीराम' के नाम के साथ उनकी छोटी फोटो गुदवा रहे हैं, तो कुछ माथे पर छोटे अक्षर में 'श्रीराम' गुदवा रहे हैं।

**राम मंदिर की शोभा बढ़ाएगा 2100 किलो का घंटा**

राम मंदिर में लगने के लिए एक घंटा भी तैयार किया गया है, जो कि इस मंदिर की शोभा बढ़ाएगा। इस घंटे को बनाने में करीब 2 साल का समय लगा है। इसे अष्टधातु से तैयार किया गया है। इससे निकलने वाले आवाज काफी अद्भूत होगी, जो दूर-दूर तक लोगों को सुनाई देगी। इस घंटे को बनाने में करीब 25 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इसका वजन 2100 किलो है। इस घंटे की ऊंचाई 6 फीट और चौड़ाई 5 फीट है। ये घंटा जलेसर में तैयार किया गया है।

**जोधपुर से 600 किलो घी, 11 रथों में 108 कलश**

रामलला की पहली आरती के लिए जोधपुर से घी भेजा गया है। श्रीश्री महर्षि संदीपनी राम धर्म गौशाला के संचालक महर्षि संदीपनी महाराज के मुताबिक 22 जनवरी 2024 में रामलला राम मंदिर में विराजेंगे। रामलला की आरती और हवन में हमारी गौशाला में तैयार घी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह सौभाग्य की बात है कि जोधपुर से रामकाज के लिए घी भेजा है। गौशाला से 11 विशेष रथ रवाना किए गए हैं। इन रथों को गौशाला में ही 6 महीने से तैयार किया जा रहा था। हर रथ पर 3.5 लाख रुपए लागत आई है। इन रथों में 108 स्टील के कलश रखे हैं, जिनमें कुल 600 किलो घी है। यह घी खास तौर से रामलला की पहली आरती और हवन के लिए ही हम 9 साल से तैयार करके इकट्ठा कर रहे थे।

**108 फीट लंबी अगरबत्ती एक माह से ज्यादा जलेगी**

गुजरात से एक ऐसी धूपबत्ती भेजी गई है, जो 108 फीट लंबी है और जिसका वजन 3,610 किलोग्राम बताया जा रहा है। ये सिर्फ इस खास अवसर के लिए तैयार कि गई है। इसे रोड के जरिए अयोध्या भेजा गया। अब ये प्राण प्रतिष्ठा के दिन जलाई जाएगी। ऐसा कहा जा रहा है कि ये धूपबत्ती करीब-करीब होली के पर्व तक जलेगी। इस ऐतिहासिक अगरबत्ती को बनाने में कई महीनों का समय लगा है।

**उज्जैन में 51 किलो की अगरबत्ती, भोपाल में राम नामी दीपक**

उज्जैन के उन्हेल रोड पर ग्राम सोंडग में 51 किलो की बड़ी अगरबत्ती बनाई जा रही है। इस अगरबत्ती को प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन अंगारेश्वर मंदिर में प्रज्वलित किया जाएगा। इसका निर्माण काय के गोबर, गाय के घी, चंदन, गूगल फूलों व अन्य सुगंधित पदार्थों के प्रयोग से महिला कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। भोपाल में युवा भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को खास बनाने की तैयारी में जुट गए हैं। युवाओं ने राम नाम वाले दीपक बना रहे हैं। इन दीपक को 22 जनवरी को घर घर राम के नाम का दीपक जलाने के लिए वितरित किया जाएगा। मंदिरों में पूजा अर्चना का आयोजन किया जाएगा।

**ओडिशा में दुनिया का सबसे बड़ा दीया किया गया तैयार**

अयोध्या के राम लला मंदिर में जलने के लिए कई सारे दीये लगाए जाएंगे। लेकिन ये दीया बेहद खास होने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दुनिया (रामलला की मूर्ति) का सबसे बड़ा दीया कहा जा रहा है जिसे राउरकेला ओडिशा में तैयार किया गया

है। इसे बनाने में कई महीने लगे हैं। 22 जनवरी से पहले इसे अयोध्या पहुंचा दिया जाएगा, ताकि प्राण प्रतिष्ठा के दिन इसे प्रजवल्ति किया जा सके।

**श्री महाकाल मंदिर से राम लला मंदिर आएंगे 5 लाख लड्डू**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में कहा कि हम तो सौभाग्यशाली है। अयोध्या बुला रही है और भक्त जा रहे हैं। हम वह दृश्य देखेंगे। दो हजार साल पहले भी सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या में राम का मंदिर बनवाया था। उसी मंदिर को पांच सौ साल पहले बाबर ने तोड़ा है। जब दोबारा मंदिर का निर्माण हो रहा है तो इसमें मध्य प्रदेश कैसे पीछे रह सकता है। विक्रमादित्य की नगरी और महाकाल मंदिर उज्जैन से अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन समारोह पर 5 लाख लड्डू भेजे जायेंगे। बाबा महाकाल का प्रसाद अयोध्या जाएगा।

**गुजरात ने दरियापुर से आया 500 किलो का नगाड़ा**

गुजरात से विशेष रथ से 500 किलोग्राम का विशाल नगाड़ा बुधवार को अयोध्या लाया गया और इसे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को सौंपा गया। चंपत राय के मुताबिक इस नगाड़े को उचित स्थान पर स्थापित किया जाएगा। गुजरात विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र मंत्री अशोक रावल ने पत्र भेजकर नगाड़ा स्वीकार करने की सिफारिश की है। नगाड़ा लेकर अयोध्या आए चिराग पटेल ने बताया,"इस पर सोने और चांदी की परत चढ़ाई गई है। ढांचे में लोहे और तांबे की प्लेट का भी इस्तेमाल किया गया है। इसका निर्माण डबगर समाज के लोगों ने किया है। हिंदू संस्कृति के प्रतीक इस विशाल नगाड़े का निर्माण कर्णावती महानगर के दरियापुर में किया गया है।"

**सूरत से आ रही है माता सीता की विशेष साड़ी और हार**

देश में कपड़े का हब कहे जाने वाले गुजरात के सूरत शहर में तैयार की गयी एक विशेष साड़ी को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए भेजा जा रहा है। सूरत में कपड़ा उद्योग से जुड़े कारोबारी ललित शर्मा ने कहा कि इस साड़ी पर भगवान राम और अयोध्या मंदिर की तस्वीरें उकेरी गयी हैं और इसे माता सीता के लिए तैयार किया गया है। साड़ी तैयार करने वाले कपड़ा कारोबारी राकेश जैन ने कहा कि यह वस्त्र माता जानकी के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया में खुशी का माहौल है क्योंकि भगवान राम का कई वर्षों बाद अयोध्या मंदिर में अभिषेक किया जा रहा है। माता जानकी और भगवान हनुमान सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं।''

**400 किलो का ताला खोलने के लिए 30 किलो की चाबी**

तालानगरी अलीगढ़ से राम लला मंदिर के लिए चार सौ किलो का पीतल और स्टील का ताला भेजा जा रहा है। ज्वालापुरी गली नंबर पांच निवासी ताला कारीगर सत्यप्रकाश शर्मा एवं उनकी पत्नी रुक्मिणी शर्मा ने इसे अपने हाथों से बनाया है। दंपति के मुताबिक उनका वर्षों पुराना सपना साकार हो गया है। दंपती ने बताया कि यह दुनिया का सबसे वजनी ताला है। जिसकी तीन फुट चार इंच लंबी चाबी 30 किलोग्राम की है। इसे बनाने में उनके रिश्तेदार शिवराज और उनके बच्चों ने भी मदद की है।

**नेपाल से 3 हजार उपहार, श्रीलंका की अशोक वाटिका से चट्टान**

नेपाल के जनकपुर में मां सीता की जन्मभूमि से भगवान राम के लिए 3,000 से अधिक उपहार अयोध्या पहुंचे हैं। चांदी के खड़ाऊं, आभूषण और कपड़ों सहित तमाम उपहारों को इस सप्ताह जनकपुर धाम रामजानकी मंदिर से लगभग 30 वाहनों के काफिले में अयोध्या लाया गया। श्रीलंका का एक प्रतिनिधिमंडल भी अशोक वाटिका से एक विशेष उपहार के साथ अयोध्या आया। इस प्रतिनिधिमंडल ने महाकाव्य रामायण में वर्णित अशोक वाटिका की एक चट्टान भेंट की है।जयपुर से सीता रसोई के लिए सरसों के तेल के 2100 पीपे भेजे

# 11 दिनों का वो अनुष्ठान, जिसका पालन करेंगे मोदी

**अनुष्ठान के प्रमुख आचार्य काशी के विद्धान ने शास्त्र और धर्मसम्मत जानकारी प्रदान की है। उन्होंने यजमानों के लिए यम-नियम की आचार संहिता जारी की है। इसके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 11 दिनों तक एक समय सेंधा नमक युक्त सात्विक आहार ग्रहण करेंगे। दिन में फलाहार कर सकते हैं। अनुष्ठान पूर्ण होने तक चारपाई पर सोना या बैठना वर्जित है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी लकड़ी के तख्त का प्रयोग कर सकते हैं। आसन के रूप में कंबल होगा। बिस्तर पर सोना या बैठना, नियमित दाढ़ी बनाना व नाखून काटना वर्जित होगा। यथासंभव मितभाषी होने का अभ्यास कर सकते हैं।**

पं. गणवेश्वर शास्त्री द्रविड ने शास्त्र का हवाला देकर बताया कि अनुष्ठान के तहत नित्य सुबह स्नान करना होगा। बाहरी भोजन का त्याग करना होगा। क्रोध, लोभ, मद, मोह, अहंकार से मुक्त रहकर ध्यान-साधना के माध्यम से मन को एकाग्र रखना होगा। सत्यव्रत का पालन करना होगा। यथासंभव सिले हुए वस्त्र से दूर रहना होगा। रेशमी, ऊनी वस्त्र, कंबल, शाल, स्वेटर आदि धारण कर सकते हैं। सद्विचार, सत्चिंतन से युक्त रहना होगा। अनुष्ठान अवधि में हल्दी, तेल, राई, सरसों, लहसुन, प्याज, मांस, मदिरा, अंडा, तेल से बने भोज्य पदार्थ, गुड़, भुजिया चावल, चना आदि नहीं खाना है। दवा के लिए मनाही नहीं है, तांबुल भी ले सकते हैं। खाने-पीने के सभी पदार्थों को भगवान को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अनुष्ठान शुरू करने से पहले एक ऑडियो मैसेज जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि वह 11 दिनों का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमें ईश्वर के यज्ञ के लिए,आराधना के लिए स्वयं में भी दैवीय चेतना जागृत करनी होती है। इसके लिए शास्त्रों में व्रत और कठोर नियम बताए गए हैं। जिन्हें प्राण प्रतिष्ठा से पहले पालन करना होता है। इसलिए आध्यात्मिक यात्रा की कुछ तपस्वी आत्माओं और महापुरुषों से मुझे जो मार्गदर्शन मिला है उन्होंने जो यम नियम सुझाए है, उसके अनुसार। मैं आज से 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहा हूं।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "शरीर के रूप में, तो मैं उस पवित्र पल का साक्षी बनूंगा ही, लेकिन मेरे मन में, मेरे हृदय के हर स्पंदन में, 140 करोड़ भारतीय मेरे साथ होंगे। आप मेरे साथ होंगे...हर रामभक्त मेरे साथ होगा। और वो चैतन्य पल, हम सबकी सांझी अनुभूति होगी। मैं अपने साथ राम मंदिर के लिए अपने जीवन को समर्पित करने वाले अनगिनत व्यक्तित्वों की प्रेरणा लेकर जाउंगा। त्याग-तपस्या की वो मूर्तियां.. 500 साल का धैर्य... दीर्घ धैर्य का वो काल...अनगिनत त्याग और तपस्या की घटनाएं...दानियों की...बलिदानियों की गाथाएं...कितने ही लोग हैं जिनके नाम तक कोई नहीं जानता,लेकिन जिनके जीवन का एकमात्र ध्येय रहा है, भव्य राम मंदिर का निर्माण। ऐसे असंख्य लोगों की स्मृतियां मेरे साथ होंगी। जब 140 करोड़ देशवासी, उस पल में मन से मेरे साथ जुड़ जाएंगे।" गौरतलब है कि गणेश्वर शास्त्री द्रविड ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकाला है।

# विदेशों में भी राम मंदिर उद्घाटन की धूम,

## एफिल टावर से टाइम्स स्क्वॉयर तक गूंजेगा जय श्री राम

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन समारोह है। इसकी तैयारियां करीब-करीब पूरी हो चुकी हैं। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश के राम भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। हर तरफ उत्सव का माहौल है। इस कार्यक्रम के लिए पूरी अयोध्या नगरी और देशभर में धार्मिक स्थलों पर तैयारी चल रही है। खास बात ये भी है कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए केवल भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोग काफी उत्साहित हैं। दुनियाभर के देशों में 'रामोत्सव' की तैयारी की जा रही है। फ्रांस में जहां एफिल टावर तक रथयात्रा निकालने की तैयारी है, वहीं अमेरिका में कैलिफर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैली निकाली जाएगी।

**अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव -** हिंदू मंदिर एंपावरमेंट कांउसिल ने नार्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का फैसला किया है। प्राण प्रतिष्ठा भारतीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे होगी। उस समय पैरिस में सुबह व अमेरिका में देर रात का समय होगा।

**राम मंदिर के जश्न में अमेरिका के कई शहरों में कार रैली -** कई हफ्तों में वाशिंगटन, शिकागो और दूसरे अमेरिकी शहरों में राम मंदिर के जश्न में कार रैलियां निकाली गई हैं। आयोजकों में रोहित शर्मा, मणि किरण, परम देसाई, दैपायन देब, दीपक बजाज और बिमल भागवत जैसे कई लोग शामिल हैं। अब ये ग्रुप कैलिफोर्निया में कार रैली निकालने का प्लान कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे अयोध्या नहीं आ सकते हैं लेकिन राम जी उनके दिलों में हैं और उनकी घर वापसी में उनकी अटूट श्रद्धा है।

**न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण**

22 जनवरी के दिन अयोध्या राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर भी किया जाएगा। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन को चिह्नित करते हुए टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर का एक डिजिटल बिलबोर्ड चलाया गया था। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम ने कहा है कि अगर हम न्यूयॉर्क शहर में हिंदू समुदाय को देखें, तो यह कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण है। यह उन्हें जश्न मनाने और अपनी आध्यात्मिकता को ऊपर उठाने का मौका देता है।

**न्यूयॉर्क शहर मेयर एडम्स ने कहा- राम मंदिर का उद्घाटन अत्यंत महत्वपूर्ण**

न्यूयॉर्क शहर मेयर एडम्स ने कहा, "हमारे यहां शहर में सबसे बड़ी भारतीय आबादी है और राम मंदिर उद्घाटन उन्हें जश्न मनाने और अपनी आध्यात्मिकता बढ़ाने की अनुमति देता है।" यह पूछे जाने पर कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन और न्यूयॉर्क शहर के हिंदुओं के लिए इसका क्या मतलब है एडम्स ने कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन "अत्यंत महत्वपूर्ण" है। उन्होंने आगे कहा, "अगर हम न्यूयॉर्क शहर में हिंदू समुदाय को देखें, तो यह बेहद महत्वपूर्ण है। यह उन्हें जश्न मनाने और अपनी आध्यात्मिकता को ऊपर उठाने का मौका देता है...।"

**एफिल टॉवर पर बड़े पैमाने पर उत्सव -** सोशल मीडिया पर पेरिस में रहने वाले अविनाश मिश्रा नाम के यूजर ने राम रथ यात्रा के बारे में डिटेल साझा की है। उन्होंने लिखा- "21 जनवरी 2024 को पेरिस में राम रथ यात्रा! फ्रांस में रहने वाले हम भारतीय पूरे पेरिस में "राम रथ यात्रा" और एफिल टॉवर पर बड़े पैमाने पर उत्सव का आयोजन करके अयोध्या में श्री राम मंदिर उद्घाटन के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण अवसर में शामिल होंगे।" अविनाश मिश्रा की पोस्ट को रि-ट्वीट करते हुए राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ने कहा है कि अयोध्या में जन्मस्थान पर भगवान श्री रामलला सरकार की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनना सभी रामभक्तों के लिए एक आशीर्वाद है।

## स्वच्छता के प्रति समर्पण और सेवा का भाव

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। जब भी मौका मिला है, उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की खुद पहल की है। उन्होंने महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित श्री कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में सफाई कर एक बड़ा संदेश दिया। उन्होंने पोछा लगाकर बता दिया कि चाहे कितने भी बड़े पद पर क्यों ना हो, भगवान के दरबार में वह एक सेवक हैं। उन्होंने मंदिर परिसर में जिस सेवाभाव का परिचय दिया, वो दूसरों को लिए मिसाल है।**

**पिछले 40 दिनों में ही 1900 से अधिक राम भजन हुए तैयार**

अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राम भजन की धूम रहेगी। इससे पहले ही पीएम मोदी कई लोकप्रिय राम भजनों को अपने हैंडल से भी ट्वीट कर रहे हैं। इससे राम नाम की धूम देश-दुनिया में गूंज रही है। प्राण प्रतिष्ठा के मौके के लिए से सीधे राम भक्तों को भेजने की योजना है। भाजपा आईटी सेल से जुड़े एक पदाधिकारी का कहना है सभी भजन लोकल स्तर के वाद्ययंत्र, शूटिंग परिवेश और लोकगायकों की आवाज में रिकॉर्ड किया गया है। एल्गोरिदम की मदद से राम भजन को संबंधित भाषा बोलने-समझने वालों के साथ साझा होगा। चुनिंदा रामभजन को वाद्य धुनों में तब्दील भी किया जा रहा है। इनका उपयोग कॉलर ट्यून के रूप में करने की तैयारी है।

**गीता प्रेस से सौ साल के इतिहास में श्रीरामचरित मानस की रिकॉर्ड बिक्री**

गोरखपुर में गीता प्रेस की स्थापना अप्रैल 1923 में सेठ जयदयाल गोयंदका ने की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सस्ते मूल्य पर धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध कराना और सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करना था। तब से लेकर अब तक गीता प्रेस को पूरे विश्व भर में धार्मिक पुस्तकों के प्रकाशन के लिए जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि गीता प्रेस के सौ वर्षों के इतिहास में पिछले कुछ महीने के दौरान अब तक की सबसे ज्यादा पुस्तकों की बिक्री हुई है। गीता प्रेस से प्रकाशित होने वाली रामचरितमानस और भागवत गीता की बिक्री सबसे ज्यादा बढ़ी है। गीता प्रेस प्रबंधन की माने तो इन पुस्तकों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि अवदा फाउंडेशन मुंबई ने आरती संग्रह की चार लाख प्रतियां मांगी है। प्रेस ने 3 लाख प्रतियां देने का वचन दिया है। यह पुस्तक हिमाचल प्रदेश में लोगों को बांटी जाएंगी। गुजरात सरकार ने विद्यार्थियों में वितरित करने के लिए श्रीमद्भागवत गीता की 50 लाख प्रतियों की मांग की है। गीता प्रेस ने सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराने को कहा है और अनुरोध किया है कि सरकारी स्तर पर इसे छपवाकर बंटवा दे।

**श्रीरामचरितमानस के गुटका आकार की सबसे ज्यादा मांग**

गोरखपुर के गीता प्रेस के प्रबंधक डा. लालमणि तिवारी के मुताबिक मांग के सापेक्ष अक्टूबर से दिसंबर तक केवल 31 हजार श्री रामचरितमानस (हिंदी गुटका आकार) की आपूर्ति कर पाया है, जबकि मांग लगभग डेढ़ लाख प्रतियों की रही है। उन्होंने बताया कि इन तीन महीनों में श्री रामचरितमानस की कई भाषाओं व आकार-प्रकार में 3.27 लाख प्रतियों की छपाई हुई, सभी बिक चुकी हैं। इस माह में बिहार, उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों व राजस्थान से लगभग 1.75 लाख श्रीरामचरितमानस (गुटका आकार)प्रतियों की मांग आई है, जिसे उपलब्ध कराने में गीता प्रेस ने असमर्थता जता दी है। 79 हजार प्रतियां प्रकाशित की जा रही है, जिन्हें गीता प्रेस अपनी शाखों पर भेजेगा। हनुमान चालीसा की 13.50 लाख प्रतियाँ प्रकाशित की गई। मात्र 30 हजार स्टॉक में हैं। दो लाख प्रतियाँ और तैयार की जा रही हैं।

# नवीकरणीय ऊर्जा की ओर सहज परिवर्तन सुनिश्चित

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत मंत्री ने बताया कि भारत ने नवंबर, 2021 में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों के सम्मेलन (कॉप 26) के 26वें सत्र में अपने 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य को हासिल करने की घोषणा की। भारत का अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संचयी विद्युत स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो धीरे-धीरे जीवाश्म-ईंधन-उत्पन्न ऊर्जा स्रोतों से नवीकरणीय स्रोतों में परिवर्तित हो रहा है।

देश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

भारत को हरित हाइड्रोजन और उसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया।

उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम), रूफटॉप सोलर चरण II, 12000 मेगावाट सीपीएसयू योजना चरण II जैसी योजनाएं।

बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स को भूमि और ट्रांसमिशन प्रदान करने के लिए अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क की स्थापना।

नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर योजना के तहत नई ट्रांसमिशन लाइनें बिछाना और नई सब-स्टेशन क्षमता बनाना।

30 जून 2025 तक चालू होने वाली परियोजनाओं के लिए सौर और पवन ऊर्जा की अंतर-राज्य बिक्री के लिए अंतर राज्य ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) शुल्क की छूट।

वित्तीय वर्ष 2023-24 से वित्तीय वर्ष 2027-28 तक नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा 50 गीगावॉट/वर्ष की नवीकरणीय ऊर्जा बिजली बोलियों के लिए निर्धारित गति मार्ग की अधिसूचना जारी की जाएगी।

ग्रिड कनेक्टेड सोलर पीवी और पवन परियोजनाओं से बिजली की खरीद के लिए टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के लिए मानक बोली दिशानिर्देश।

सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली/उपकरणों की तैनाती के लिए मानकों की अधिसूचना।

सरकार ने आदेश जारी किए हैं कि नवीकरणीय ऊर्जा जनरेटरों को वितरण लाइसेंसधारियों द्वारा समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) या अग्रिम भुगतान के आधार पर बिजली भेजी जाएगी।

हरित ऊर्जा ओपन एक्सेस नियम 2022 के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की अधिसूचना। विद्युत (विलंब भुगतान अधिभार और संबंधित मामले) नियम (एलपीएस नियम) की अधिसूचना। स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देना।एक्सचेंजों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा बिजली की बिक्री की सुविधा के लिए ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (जीटीएएम)। 2029-30 तक वितरण कंपनियों सहित नामित उपभोक्ताओं द्वारा गैर-जीवाश्म संसाधनों की खपत का न्यूनतम हिस्सा निर्दिष्ट करना।

कोयला मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इनपुट के आधार पर, नवीकरणीय ऊर्जा में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

I. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल): सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों पर प्रति वर्ष 4600 मिलियन यूनिट का वर्तमान भार है। सीआईएल का इरादा वित्त वर्ष 2025-26 में 3000 मेगावाट की सौर परियोजनाएं स्थापित करके नेट जीरो ऊर्जा कंपनी बनने का है।

i i. एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल): एनएलसीआईएल ने पहले ही 1431.06 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित कर ली है, जिसमें से 11.06 मेगावाट (ग्राउंड माउंटेड-10 मेगावाट और रूफ टॉप-1.06 मेगावाट) का उपयोग स्वयं की खपत के लिए किया गया है और शेष 1,420 मेगावाट को ग्रिड जोड़ा गया है। 2030 तक एनएलसीआईएल द्वारा कुल 6,031.06 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित किए जाने की उम्मीद है।

iii. सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल): एससीसीएल ने एससीसीएल के 9 स्थानों पर 224 मेगावाट के सौर संयंत्र स्थापित किए हैं और 2023-24 के अंत तक 5 और स्थानों पर शेष 76 मेगावाट स्थापित करेगा। इसके अलावा, नेट जीरो कंपनी बनने के लिए 2024-25 के दौरान एससीसीएल द्वारा 232 मेगावाट आरई क्षमता स्थापित की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, झारखंड राज्य के शमन और अनुकूलन प्रयासों को मजबूत करने के लिए राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर जलवायु परिवर्तन पर झारखंड कार्य योजना लागू कर रहा है।

यह जानकारी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत मंत्री श्री आर.के. सिंह ने 21 दिसंबर, 2023 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी है।

## छत पर सौर ऊर्जा क्षमता की स्थापना लगभग 46 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से प्रगति कर रही है: केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत मंत्री ने जानकारी दी है कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की वृद्धि दर विगत 5 वर्षों में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक रही है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने 40 गीगावॉट छत पर सौर ऊर्जा (आरटीएस) प्राप्त करने के उद्देश्य से 08.03.2019 को रूफटॉप सोलर प्रोग्राम चरण-II का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करके आवासीय क्षेत्र में 4,000 मेगावाट आरटीएस क्षमता की स्थापना को परिकल्पित करता है। सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए स्वीकार्य केंद्रीय वित्त सहायता (सीएफए) प्रथम 3 किलोवाट आरटीएस क्षमता के लिए रुपए 14,588/किलोवाट और 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक आरटीएस क्षमता के लिए रुपए 7,294/किलोवाट है। विशेष श्रेणी के राज्यों (उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) के लिए, स्वीकार्य सीएफए प्रथम 3 किलोवाट आरटीएस क्षमता के लिए रुपए 17,662/किलोवाट और 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक आरटीएस क्षमता के लिए रुपए 8,831/किलोवाट है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन/ग्रुप हाउसिंग सोसायटी (आरडब्ल्यूए/जीएचएस) भी सामान्य सुविधाओं में अधिकतम 500 किलोवाट क्षमता तक आरटीएस स्थापना के लिए सीएफए का लाभ उठाने के पात्र हैं। आरडब्ल्यूए/जीएचएस के लिए स्वीकार्य सीएफए सामान्य श्रेणी के राज्यों में रुपए 7,294/किलोवाट और विशेष श्रेणी वाले राज्यों में रुपए 8,831/किलोवाट है।

## पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)' योजना

# पृथ्वी प्रणाली की समझ को बढ़ाने में मिलेगी मदद

केंद्रीय मंत्रिमंडल की तरफ से 'पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)' योजना को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। खास बात है कि इस योजना के लिए 4 हजार 797 करोड़ रुपये का बजट भी दिया गया है। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि यह पहल एडवांस पृथ्वी प्रणाली विज्ञान की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। इसमें जलवायु अनुसंधान, महासागर सेवाएं, ध्रुवीय विज्ञान, भूकंप विज्ञान और बहुत कुछ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता न केवल पृथ्वी प्रणाली की समझ को बढ़ाने की है, बल्कि इस ज्ञान को सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोगों में अनुवादित करने की भी है। पीएम ने कहा कि यह योजना प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी और प्रबंधन में भारत की क्षमताओं को मजबूत करेगी, जिससे जीवन और संपत्ति की सुरक्षा होगी।

क्या है PRITHviVIgyan योजना

यह योजना पृथ्वी प्रणाली और परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए वायुमंडल, महासागर, भूमंडल, क्रायोस्फीयर और ठोस पृथ्वी के दीर्घकालिक निरीक्षणों का संवर्द्धन और रखरखाव करेगी। इसके अंतर्गत मौसम, महासागर और जलवायु खतरों को समझने और भविष्यवाणी करने तथा जलवायु परिवर्तन के विज्ञान को समझने के लिए प्रारूप प्रणालियों का विकास शामिल है। इसके अलावा नई घटनाओं और संसाधनों की खोज करने की दिशा में पृथ्वी के ध्रुवीय और उच्च समुद्री क्षेत्रों की खोज की जाएगी। साथ ही सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समुद्री संसाधनों की खोज हेतु टेक्नोलॉजी का विकास और संसाधनों का सतत उपयोग शामिल है। योजना के तहत पृथ्वी प्रणाली विज्ञान से प्राप्त ज्ञान और अंतर्दृष्टि को सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ के लिए सेवाओं के रूप में परिणत किया जाएगा

### योजना के ये पांच पहलू हैं अहम

- एटमॉस्फेयर एंड क्लाइमेट रिसर्च-मॉडलिंग ऑबजर्विंग सिस्टम (ACROSS)
- ओशियन सर्विसेज, मॉडलिंग एप्लिकेशन, रिसोर्सेज एंड टेक्नोलॉजी (O-SMART)
- पोलर साइंस एंड क्रायोस्फेयर रिसर्च (PACER)
- सिस्मोलॉजी एंड जियोसाइंस (SAGE)
- रिसर्च, एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड आउटरिच (REACHOUT)

---

इस योजना में पृथ्वी प्रणाली विज्ञान की समझ में सुधार लाने और देश के लिए विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने हेतु पृथ्वी प्रणाली के सभी पांच घटकों को समग्र रूप से शामिल करेगी। पृथ्वी योजना के विभिन्न घटक एक-दूसरे पर निर्भर हैं। इन्हें एमओईएस के अंतर्गत संबंधित संस्थानों द्वारा संयुक्त प्रयासों के माध्यम से एकीकृत रूप में चलाया जाता है। पृथ्वी विज्ञान की व्यापक योजना विभिन्न एमओईएस संस्थानों में एकीकृत बहु–विषयक पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान और नवीन कार्यक्रमों के विकास को सक्षम बनाएगी। एकीकृत अनुसंधान एवं विकास से जुड़े ये प्रयास मौसम और जलवायु, महासागर, क्रायोस्फीयर, भूकंपीय विज्ञान और सेवाओं की बड़ी चुनौतियों का समाधान करने और उनके स्थायी दोहन के लिए जीवित और निर्जीव संसाधनों का पता लगाने में मदद करेंगे।

इसके अलावा 155 मिमी आर्टिलरी गन में उपयोग के लिए 155 मिमी नबलेस प्रोजेक्टाइल को मंजूरी दी गई। यह प्रोजेक्टाइल की मारक क्षमता और सुरक्षा बढ़ाएगा। टी-90 टैंकों के लिए स्वचालित लक्ष्य ट्रैकर और डिजिटल बेसाल्टिक कंप्यूटर तथा टैंक व बख्तरबंद गाडियों पर दुश्मन का वार बेअसर करने के लिए एंटी-टैंक युद्ध सामग्री, एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-2 और टाइप-3 की खरीद को भी मंजूरी दी गई है।सैन्य क्षेत्र में यह स्वदेशी निर्माताओं को मिलने वाला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर

दोहरी सामरिक चुनौती के मद्देनजर रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ताकत बढ़ाने के लिए 2.23 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद को मंजूरी दी है। यह अब तक स्वदेशी निर्माताओं को मिलने वाला सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। परिषद ने नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए लड़ाकू पोत के हल्के प्लेटफॉर्म से सतह पर मार करने वाली मध्यम रेंज की एंटी शिप मिसाइल (एमआरएएसएचएम) की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

एमआरएएसएचएम नौसेना के जहाजों पर प्राथमिक आक्रामक हथियार होगा। परिषद में मिली रक्षा उत्पादों की एओएन के बाद अब निर्माताओं के साथ कीमत निर्धारण के लिए नेगोशिएशन किया जाएगा। अंतिम कीमत निर्धारित हो जाने के बाद प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए रक्षा मामलों की कैबिनेट समिति के समक्ष रखें जाएंगे। वहां से मंजूरी के बाद खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

मोदी सरकार ने चीन से लगी 4000 किमी लंबी सीमा पर इंफ्रास्ट्रकचर पर दिया जोर

इससे पहले पीएम मोदी के दिशा निर्देशन में भारत में निर्मित जंगी जहाजों और पनडुब्बियों ने नेवी की मारक क्षमता को और बढाया। सेना के पास अब भारत में बने टैंक, मिसाइल और हैंड ग्रेनेड हैं जो आत्मनिर्भर भारत के नारे को चार चांद लगा रहे हैं। सुरक्षा के लिए साजो-सामान का इंतजाम करने के साथ साथ मोदी सरकार ने चीन से लगी रास्ते जल्दी से जल्दी पहुंचने का रास्ता भी बनाने पर जोर दिया। इसके शानदार नतीजे देश के सामने हैं। अब अगर चीन आंखें तरेरता है तो भारत की सेना उनकी आंखों में आंखे डाल कर बात करती है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान की बोलती बंद है। आलम ये है कि पहले जहां सीमा पार से हुई गोलीबारी का जवाब देने के लिए दिल्ली से पूछना पड़ता था, अब सीमा पर मौजूद कमांडर को खुद ही निर्णय लेने का अधिकार मिल गया है। इससे आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी के साथ ही सरहदें और सुरक्षित हुई हैं।

**दुनिया को भरोसा दिलाने के लिए पीएम मोदी ने भरी थी स्वदेशी तेजस में उड़ान!**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमटेड (HAL) की फैसिलिटी के दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने तेजस के मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान पीएम मोदी ने एक को-पायलट की भूमिका निभाते हुए मेड-इन-इंडिया फाइटर जेट तेजस में उड़ान भरी। तेजस भारत की आत्मनिर्भरता की झलक है। तेजस भारत द्वारा विकसित किया जा रहा एक हल्का व कई तरह की भूमिकाओं वाला जेट लड़ाकू विमान है। यह HAL द्वारा विकसित एक सीट और एक जेट इंजन वाला, अनेक भूमिकाओं को निभाने में सक्षम एक हल्का युद्धक विमान है। इस विमान ने दुनिया को भारतीय टेक्नोलॉजी की खूबियों से परिचित कराया है। यही वजह है कि दुनिया के बड़े-बड़े देश इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं। पीएम मोदी ने तेजस में उड़ान इसलिए भरी जिससे कि दुनिया के देशों में तेजस प्रति विश्वास बहाल हो सके और दुनिया के देश इसे खरीदने के लिए आगे आएं।

पीएम मोदी के उड़ान भरने से यह साबित हो गया कि तेजस सुरक्षित फाइटर जेट है। लेकिन नकारात्मकता में जीने वाली कांग्रेस को पीएम मोदी की फोटो देखकर मिर्ची लग गई और उसने इस पर भी तंज कसते हुए इसे चुनावी फोटो सेशन करार दिया। पीएम मोदी रक्षा में आत्मनिर्भरता को महत्व दे रहे हैं और फाइटर जेट पर उड़ान भरने वाले भारत के पहले पीएम बन गए हैं लेकिन कांग्रेस इसे पचा नहीं पा रही है।

**आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं: पीएम मोदी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर, 2023 को तेजस में उड़ान भरने के बाद कहा कि हमारी मेहनत और लगन के कारण हम आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वायुसेना, DRDO और HAL के साथ ही समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

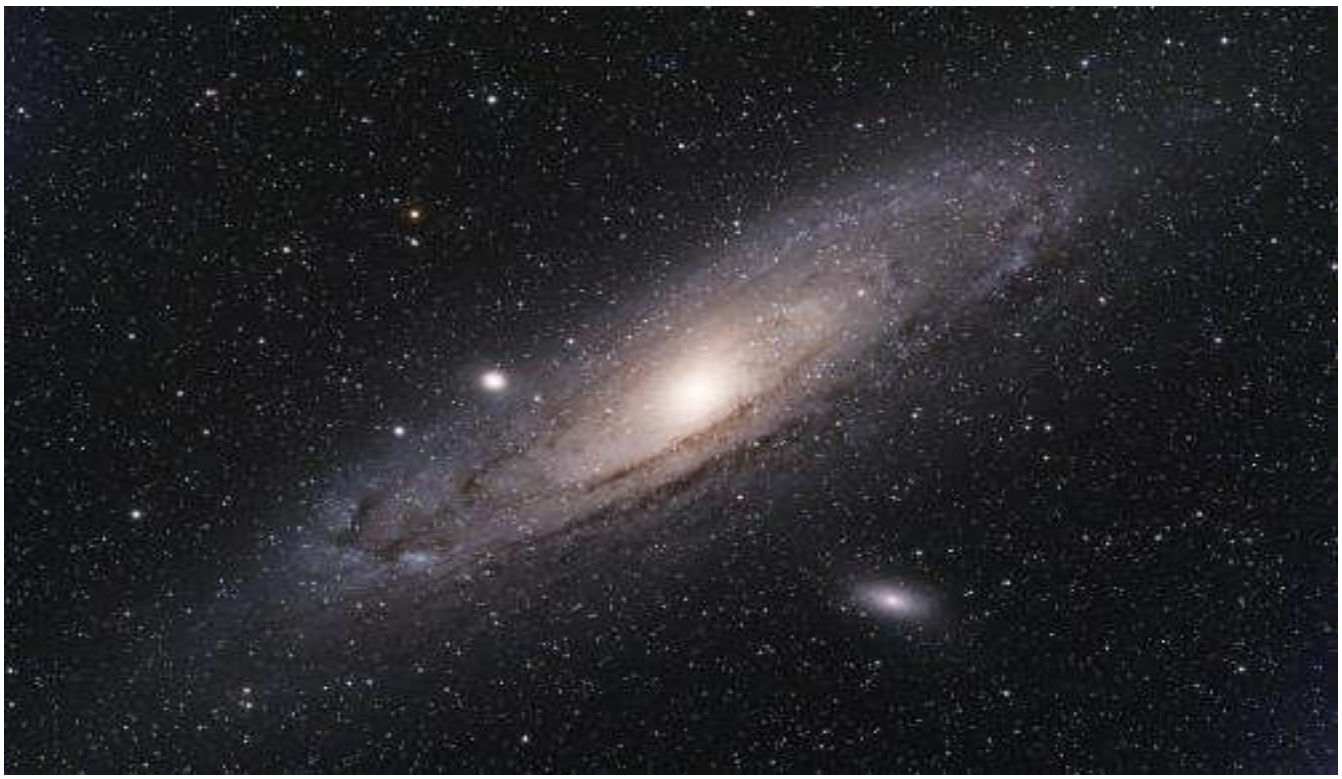

# अयोध्या में 15000 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन और महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने यहां एक रोड शो भी किया। रोडशो के दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।**

उद्घाटन-शिलान्यास के बाद प्रधाननमंत्री मोदी ने यहां एक जनसभा को भी संबोधित किया। रामलला के टेंट में विराजमान होने को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'एक समय था जब यहीं अयोध्या में राम लला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ राम लला को ही नहीं मिल रहा है, बल्कि पक्का घर देश के 4 करोड़ गरीबों को भी मिला है। आज भारत अपने तीर्थों को भी संवार रहा है, तो वहीं डिजिटल टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी छाया हुआ है।'

उन्होंने कहा, 'आज भारत काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निमाण के साथ ही देश में 30 हजार से ज्यादा पंचायत भवन भी बनवा रहा है। आज देश में सिर्फ केदार धाम का पुनरुद्धार ही नहीं हुआ है बल्कि 315 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज भी बने हैं। आज देश में महाकाल महालोक का निर्माण ही नहीं हुआ है बल्कि हर घर जल पहुंचाने के लिए पानी की 2 लाख से ज्यादा टंकियां भी बनवाई हैं। आज यहां प्रगति का उत्सव है, तो कुछ दिन बाद ही यहां परंपरा का उत्सव होगा। आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखेगी। यही तो भारत है।

विकास और विरासत की यही साझा ताकत, भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल में अयोध्या नगरी कैसी थी, इसका वर्णन खुद महर्षि वाल्मीकि ने विस्तार से किया है। वाल्मीकि जी बताते हैं कि महान अयोध्यापुरी धन-धान्य से परिपूर्ण थी, समृद्धि के शिखर पर थी, और आनंद से भरी हुई थी। यानी, अयोध्या में विज्ञान और वैराग्य तो था ही, इसका वैभव भी शिखर पर था। अयोध्या नगरी की उसी पुरातन पहचान को हमें आधुनिकता से जोड़कर वापस लाना है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज मुझे अयोध्या धाम एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। अयोध्या एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण के माध्यम से प्रभु श्रीराम के कृतित्व से परिचित करवाया।

प्रधानमंत्री अयोध्या में 2180 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली ग्रीनफील्ड टाउनशिप और लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाली वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना की आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में कई अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। इनमें गोसाईं की बाजार बाईपास-वाराणसी (घाघरा ब्रिज-वाराणसी) (एनएच-233) का चार-लेन चौड़ीकरण शामिल है।

इसके अलावा अन्य परियोजनाओं में एनएच-730 के खुटार से लखीमपुर खंड का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन; अमेठी जिले के त्रिशुंडी में एलपीजी संयंत्र की क्षमता वृद्धि; पंखा में 30 एमएलडी और जाजमऊ, कानपुर में 130 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट; उन्नाव जिले में नालियों को ठीक करना और मोड़ना तथा सीवेज उपचार कार्य; और कानपुर के जाजमऊ में टेनरी क्लस्टर के लिए सीईटीपी शामिल है।

## पर्यटन स्थल के रूप में घोषित

# तातापानी

**बलरामपुर में जमीन के अंदर से गर्म पानी निकलता है. इसे तातापानी कहते हैं. तातापानी जो अपनी पवित्र धरती के रूप में पहचानी जाती है, एक यात्रावालों के लिए आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रही है। यहां हर वर्ष आयोजित होने वाले तातापानी महोत्सव ने इस छोटे से गाँव को एक उद्यमी पर्यटन स्थल में बदल दिया है,**

**तातापानी की धरती बहुत पवित्र धरती है. यह धरती रामकथा से जुड़ी है. तातापानी महोत्सव का आरंभ हमारी सरकार ने ही किया था. इसके बाद हर साल यह महोत्सव भव्य रूप लेता जा रहा है. तातापानी को पर्यटन स्थल के रूप में मैं घोषित करता हूं. यहां पर्यटन विभाग का मोटल आरंभ करेंगे. तातापानी क्षेत्र के विकास के लिए आने वाले समय में मास्टर प्लान भी तैयार किया जाएगा. तातापानी महोत्सव में शामिल होने जिला बलरामपुर-रामानुजगंज पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यह बात कही.**

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रघुनाथनगर में महाविद्यालय की घोषणा भी की. साथ ही डीपाडीह कला में नवीन पुलिस चौकी की घोषणा भी की. अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग की जनता को मकर संक्रांति की बधाई के साथ ही उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि सरगुजा की जनता ने मोदी जी की गारंटी पर भरोसा किया. हम आपके भरोसे पर खरा उतरेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों में छत्तीसगढ़ का जो विश्वास रूक गया था, वो अब तेजी से होगा. डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यों को बहुत तेज गति मिलेगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि तातापानी का संबंध माता सीता से है. यह बहुत पवित्र स्थल है. यह हम लोगों के लिए बहुत खुशी की बात है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी. हमें इस महत्वपूर्ण आयोजन को देखते हुए पूरा माहौल राममय कर देना है. हर जगह भजन-कीर्तन आदि माध्यमों से पूरा माहौल भक्तिमय करना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की गारंटी के अनुरूप सभी वायदे पूरा करेंगे. क्षेत्र की जो मांगें हैं उन्हें भी पूरा करेंगे.

इस मौके पर संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि तातापानी में भगवान राम-सीता जी के पवित्र चरण पड़े. हमारा सौभाग्य है कि हमने ही 2012 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के समय में तातापानी महोत्सव की शुरूआत की थी. हमारी आस्था के केंद्रों के विकास का काम पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहा है. प्रभु राम 22 तारीख को आ रहे हैं. उनके आगमन की भव्य तैयारी करनी है. तातापानी के राम कथा से संबंधित महात्म्य के बारे में तथा यहां के जल के बारे में बताते हुए अग्रवाल ने कहा कि ऐसी पवित्र जगह पर 400 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध रहे हैं उन्हें भी मैं शुभकामनाएं देता हूं. इस मौके पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि तातापानी का पर्यटन स्थल के रूप में इस तरह से विकास करना है कि पूरे देश के नक्शे में इसका नाम आ जाये. उन्होंने इसके विकास की संक्षिप्त रूपरेखा भी बताई.

**जल जीवन और स्वच्छ भारत मिशन**

# गांवों के सभी घरों में नल से पानी

**केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज अपने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्य में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की प्रगति की नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में समीक्षा की. इस दौरन उन्होंने उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव, जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, सांसद सुनील सोनी, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक विकास शील, निदेशक वाई.के. सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य के ज्यादा से ज्यादा गांवों में शत-प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.**

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने ऐसे गांवों में जहां 90 प्रतिशत से अधिक घरों में पानी पहुंचना चालू हो गया है, उन गांवों में जल्द से जल्द सभी घरों में नल से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ इसकी हर सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश दिए. इसके साथ ही उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत समूह जलप्रदाय योजनाओं के काम में तेजी लाने को कहा. उन्होंने गांव के सभी घरों में नल लगने के बाद तुरंत सर्टिफिकेशन कराकर जल आपूर्ति की व्यवस्था ग्राम पंचायत को हैंडओवर करने के निर्देश दिए.

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बैठक में कहा कि, जल जीवन मिशन से जिन घरों में पेयजल पहुंच रहा है, वहां पानी की गुणवत्ता, पर्याप्त मात्रा और आपूर्ति की निरंतरता पर खास ध्यान दें। राज्य के जिन इलाकों में पेयजल में भारी तत्वों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है, वहां जल की गुणवत्ता की हर महीने जांच करें. लोगों को हर हाल में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल मुहैया कराना है.

इस दौरान केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने आगामी 26 जनवरी को ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली ग्रामसभा में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति संबंधी बिंदु भी शामिल करने के निर्देश दिए. उन्होंने स्वसहायता समूहों की महिलाओं को गांव में नल से जल आपूर्ति के संचालन एवं रखरखाव के लिए प्रशिक्षित कर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ गांवों में इसके संचालन की जिम्मेदारी देने का सुझाव दिया. उन्होंने दुर्गम और पहुंचविहीन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने में आ रही दिक्कतों के मद्देनजर ऐसी छोटी बसाहटों में जहां भूजल की गुणवत्ता अच्छी है, वहां सौर ऊर्जा आधारित सामुदायिक जल प्रदाय की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने बैठक में प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की जानकारी दी.

अब पक्का मकान बन जाने से घर में पानी भर जाने और सिलन की समस्या नहीं होगी और मेहमान भी उनके घर आराम से रुक सकेंगे। इसी तरह गांव के अन्य हितग्राही बताते है कि छत कमजोर हो जाने के कारण उन्होंने खपरे की जगह टीने का शीट लगावाया है। पर बंदरों के उछलकूद के कारण इस शीट से बहुत आवाज आती है जिससे उनको परेशानी होती है। पक्का मकान बन जाने से अब उन्हें इस समस्या से राहत मिलेंगी और इसके लिए वह मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करते है।

# चित्रकूट बनेगा MP का अयोध्या

**अयोध्या के बाद मध्य प्रदेश के चित्रकूट में सबसे बड़ा धार्मिक स्थल बनाया जाएगा। चित्रकूट श्रीराम का दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक स्थल बनेगा। राम वन गमन पथ निर्माण का खाका तैयार किया गया है। 1450 किलोमीटर मार्ग विकसित किया जाएगा। राम वन पथ गमन मार्ग के 23 प्रमुख धार्मिक स्थल जागृत होंगे।**

मंगलवार को सतना जिले के चित्रकूट में श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास की पहली बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की। इस मीटिंग में राम वन गमन पथ का रोडमैप तैयार किया गया है। सीएम मोहन ने कहा कि चित्रकूट का विकास अयोध्या की तरह होगा। श्री राम भगवान पथ गमन मार्ग के सभी स्थलों का विकास किया जाएगा। विकास की कार्य योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। राम वन पथ गमन मार्ग के सभी प्रमुख स्थलों का विकास किया जाएगा। इसके लिए पूरी कार्य योजना बनाकर उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

**सबसे बड़ा धार्मिक स्थल**

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट का अयोध्या की तरह विकास कर इसे भगवान राम के जीवन से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल बनाया जाएगा। विद्वानों के परामर्श से राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों का विकास किया जाएगा। चित्रकूट के दीवाली मेले और अमावस्या मेले में रामकथा और राम के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी व राम वन पथ गमन से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित करायें। इनका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

**चार रूट का होगा विकास**

**पहला रूट**

168 किलोमीटर

सतना में सीता रसोई, आत्रि आश्रम, स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी, अश्वमुनि आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, सिदधा पहाड़, रामसेल, पन्ना का बहस्पति कुंड दूसरा रूट 428 किलोमीटर

बृहस्पति कुंड, सुतीक्ष्ण आश्रम, अगस्त्य आश्रम, सतना में रामजानकी मंदिर, उमरिया में मार्कडेय आश्रम, राम मंदिर, दशरथ घाट, शहडोल में सीतामढ़ी तीसरा रूट 378 किलोमीटर

रामजानकी मंदिर से कटनी की सीमा में शिव मंदिर, जबलपुर मंे रामघाट, नर्मदापुरम में श्रीराम मंदिर पासी घाट, श्रीराम मंदिर माच्छा घाट

चौथा रूट 476 किलोमीटर - छत्तीसगढ़ के हरचैक से मप्र के शहडोल में सीतामढ़ी गंधिया, अनूपपुर में सीतामढ़ी कनवाई, अमरकंटक होते हुए जबलपुर में रामघाट, पिपरिया .

# भारत 'विश्व मित्र' की भूमिका में

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज महात्मा मंदिर, गांधीनगर में 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का उद्घाटन किया। इस वर्ष के समिट (शिखर सम्मेलन) का विषय 'गेटवे टू द फ्यूचर' है और इसमें 34 सहभागी देश व 16 भागीदार संगठन भाग ले रहे हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा समिट का उपयोग पूर्वोत्तर क्षेत्रों में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने के एक मंच के रूप में भी किया जा रहा है।

इस समिट को उद्योग जगत की अनेक हस्तियों ने संबोधित किया। आर्सेलरमित्तल के अध्यक्ष श्री लक्ष्मी मित्तल, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन, जापान के अध्यक्ष श्री तोशिहिरो सुजुकी, रिलायंस समूह के श्री मुकेश अंबानी, अमेरिका के माइक्रोन टेक्नोलॉजीज के सीईओ श्री संजय मेहरोत्रा, अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी, सिमटेक, दक्षिण कोरिया के सीईओ श्री जेफरी चुन, टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष श्री एन चंद्रशेखरन, डीपी वर्ल्ड के अध्यक्ष श्री सुल्तान अहमद बिन सुलयेम, एनवीडिया के सीनियर वीपी श्री शंकर त्रिवेदी तथा ज़ेरोधा के संस्थापक और सीईओ निखिल कामत ने सभा को संबोधित किया और अपनी व्यावसायिक योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बिजनेस लीडर्स ने प्रधानमंत्री के विजन की प्रशंसा की।

इस बैठक में जापान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपमंत्री श्री शिन होसाका, सऊदी अरब के सहायक निवेश मंत्री श्री इब्राहिम यूसेफ अल मुबारक, मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, दक्षिण एशिया, राष्ट्रमंडल और संयुक्त राष्ट्र तथा ब्रिटेन के राज्य मंत्री श्री तारिक अहमद, अर्मेनिया के अर्थव्यवस्था मंत्री श्री वैहन केरोबियान, आर्थिक कार्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री टिट रिसालो, मोरक्को के उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री रयाद मेजोर, नेपाल के वित्त मंत्री श्री प्रकाश शरण महत, वियतनाम के उप प्रधानमंत्री श्री त्रान लुउ क्वांग, चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री पेट्र फियाला, और मोजाम्बिक के राष्ट्रपति श्री फिलिप न्यूसी, तिमोर लेस्ते के राष्ट्रपति श्री जोस रामोस-होर्ता ने भी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को संबोधित किया। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के सुलतान महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहय्यान ने भी शिखर सम्मेलन को प्रारंभ में संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सबसे पहले 2024 के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने 2047 तक भारत को 'विकसित' बनाने का संकल्प दोहराया, जिससे अगले 25 वर्ष देश के 'अमृत काल' बनेंगे। उन्होंने कहा- "यह नए सपनों, नए संकल्पों और निरंतर उपलब्धियों का समय है।" उन्होंने 'अमृत काल' के पहले वाइब्रेंट गुजरात समिट के महत्व का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के सुलतान महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी विशेष है क्योंकि यह भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच गहरे होते संबंधों को दिखाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के आर्थिक विकास और निवेश से जुड़े संवाद का वैश्विक मंच बनने का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के प्रति उनके विचार व समर्थन गर्मजोशी और दिल से भरे हुए हैं। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, नवाचारी स्वास्थ्य सेवा और भारत के बंदरगाह अवसंरचना में कई बिलियन डॉलर के निवेश को समर्थन बढ़ाने में भारत-यूएई साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने गिफ्ट सिटी में यूएई के सॉवरेन वेल्थ फंड द्वारा संचालन शुरू करने और ट्रांसवर्ल्ड कंपनियों द्वारा विमान और जहाज पट्टे पर दिये जाने की गतिविधियों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती

साझेदारी का श्रेय महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को दिया।

प्रधानमंत्री ने मोजाम्बिक के राष्ट्रपति और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्र श्री फिलिप न्यूसी की गरिमामय उपस्थिति का उल्लेख करते हुए भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता मिलने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति न्यूसी की उपस्थिति ने भारत-मोजाम्बिक के साथ-साथ भारत-अफ्रीका संबंधों को प्रगाढ़ बनाया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री पेट्र फियाला की अपने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली यात्रा भारत और वाइब्रेंट गुजरात के साथ चेक गणराज्य के पुराने संबंधों को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑटोमोबाइल, प्रौद्योगिकी और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने नोबेल पुरस्कार विजेता और तिमोर लेस्ते के राष्ट्रपति श्री जोस रामोस-होर्ता का भी स्वागत किया और अपने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत के उपयोग पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट गुजरात समिट की 20वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा कि समिट ने नए विचारों को दिखाया है और निवेश तथा रिटर्न के लिए नए प्रवेश द्वार बनाए हैं। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष की थीम 'गेटवे टू द फ्यूचर' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी का भविष्य साझा प्रयासों से उज्ज्वल होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भविष्य के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया गया है और इसे वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के विजन से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने 'एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य' के विजन के साथ आई2यू2 तथा अन्य बहुपक्षीय संगठनों के साथ साझेदारी को मजबूत बनाने का भी उल्लेख किया, जो अब वैश्विक कल्याण के लिए पहली शर्त बन गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा- "तेजी से बदलती दुनिया में भारत 'विश्व मित्र' की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। आज भारत ने विश्व को साझा सामूहिक लक्ष्यों को पाने का विश्वास दिलाया है। वैश्विक कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता, प्रयास और कठोर परिश्रम विश्व को सुरक्षित और समृद्ध बना रहे हैं। विश्व भारत को स्थायित्व के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखता है। एक ऐसा मित्र जिस पर भरोसा किया जा सकता है, एक सहयोगी जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है, एक स्वर जो वैश्विक कल्याण में विश्वास करता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास का एक इंजन है, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र है, प्रतिभाशाली युवाओं का एक पावरहाउस है और एक लोकतंत्र है जो काम करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के 1.4 बिलियन नागरिकों की प्राथमिकताएं और आकांक्षाएं तथा समावेशिता और समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के साथ मानव केंद्रित विकास में उनका विश्वास विश्व समृद्धि और विकास का एक प्रमुख पहलू है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि यह 10 साल पहले 11वें स्थान पर था। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अगले कुछ वर्षों में भारत विश्व की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा, जैसा कि दुनिया की विभिन्न रेटिंग एजेंसियों द्वारा अनुमान व्यक्त किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा– "विशेषज्ञ इसका विश्लेषण कर सकते हैं, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।" उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समय में विश्व के लिए आशा की किरण बन गया है जब विश्व ने कई भू-राजनीतिक अस्थिरता देखी है। प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में भारत की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करते हुए, टिकाऊ उद्योगों, मैन्युफैक्चरिंग और अवसंरचना, नए युग के कौशल, भविष्य की प्रौद्योगिकियों, एआई और नवाचार, ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और सेमीकंडक्टरों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सभी से विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज के छात्रों से गुजरात में ट्रेड शो देखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कल महामहिम न्यूसी और महामहिम रामोस होर्ता के साथ इस ट्रेड शो में समय बिताने के बारे में कहा कि ट्रेड शो में ई-मोबिलिटी, स्टार्ट-अप, ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन एनर्जी और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अत्याधुनिक तकनीक के साथ बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में निवेश के लिए लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और गति के आधार के रूप में अवसंरचना सुधारों पर सरकार के फोकस के बारे में विस्तार से बताया कि इन सुधारों से अर्थव्यवस्था की क्षमता, सामर्थ्य और प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पुनर्पूंजीकरण और आईबीसी ने एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली को जन्म दिया है, लगभग 40 हजार अनुपालनों को समाप्त करने से व्यापार में सहजता आई है, जीएसटी ने कराधान की भूलभुलैया को दूर किया है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण के लिए बेहतर वातावरण है, हाल ही में 3 एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें एक संयुक्त अरब अमीरात के साथ है। कई क्षेत्रों को ऑटोमैटिक एफडीआई के लिए खोलना, अवसंरचना में रिकॉर्ड निवेश और पूंजीगत व्यय में 5 गुना वृद्धि। उन्होंने ऊर्जा के हरित और वैकल्पिक स्रोतों में अभूतपूर्व प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 3 गुना वृद्धि, सौर ऊर्जा क्षमता में 20 गुना वृद्धि, किफायती डेटा कीमतों से डिजिटल समावेशन, प्रत्येक गांव में ऑप्टिकल फाइबर, 5जी की शुरुआत, 1.15 लाख पंजीकृत स्टार्टअप के साथ तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम का भी उल्लेख किया। उन्होंने निर्यात में रिकॉर्ड वृद्धि का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि भारत में हो रहे परिवर्तन जीवन की आसानी में सुधार कर रहे हैं और उन्हें सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में, 13.5 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं, जबकि मध्यम वर्ग की औसत आय लगातार बढ़ रही है। उन्होंने महिला कार्यबल की भागीदारी में रिकॉर्ड वृद्धि का भी उल्लेख किया जो भारत के भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है। प्रधानमंत्री ने कहा- "इसी भावना के साथ मैं आप सभी से भारत की निवेश यात्रा का हिस्सा बनने की अपील करता हूं।"

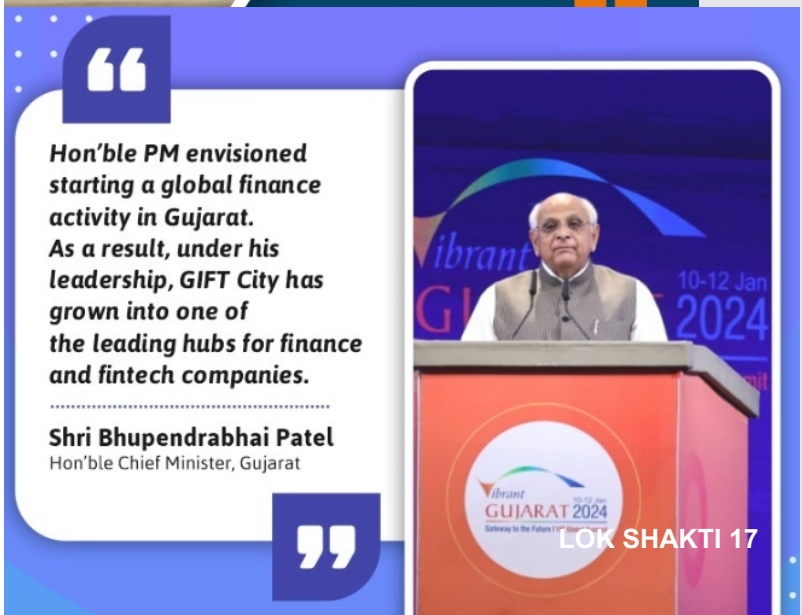

# कच्चे तेल का नया भंडार आयात पर कम होगी निर्भरता

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर धरती माता और समुद्र देवता की कृपा बरस रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा है। धरती माता और समुद्र देवता, दोनों मिलकर उनके सपने को साकार करने में पूरा योगदान दे रहे हैं। जहां धरती माता लिथियम का भंडार देकर इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में क्रांति लाने का मार्ग प्रशस्त किया है, वहीं समुद्र देवता ने पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों के लिए कच्चे तेल का भंडार दे दिया है।आंध्र प्रदेश के काकीनाडा तट से 30 किमी दूर गहरे समुद्र परियोजना से पहली बार तेल निकाला गया। इससे जहां गाड़ियों के ईंधन के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी, वहीं आयात में कमी से विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी।**

दरअसल 8 जनवरी, 2024 को भारत के लिए एक बड़ी खुशखबरी मिली, जब केंद्रीय पेट्रोलिय मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने घोषणा कि कृष्णा गोदावरी बेसिन में काकीनाडा के तट से 30 किलोमीटर दूर, कल पहली बार तेल निकाला गया। 2016 में इस पर काम शुरू हुआ था,हालांकि फिर कोविड के कारण कुछ देरी हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वहां 26 कुओं में से 4 कुएं पहले ही चालू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास ना केवल बहुत कम समय में गैस होगी। इसके अलावा मई और जून तक हम प्रति दिन 45, 000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करने में सक्षम होने की उम्मीद करते हैं। यह उत्पादन हमारे देश के कुल कच्चे तेल के उत्पादन का 7 प्रतिशत और हमारे गैस उत्पादन का 7 प्रतिशत होगा।

ओएनजीसी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उसने 7 जनवरी को कृष्णा गोदावरी डीप-वाटर ब्लॉक 98/2 (बंगाल की खाड़ी में) से पहली बार एफपीएओ के लिए तेल निकालना शुरू किया, जो परियोजना के चरण -2 के पूरा होने के करीब है। तेल और गैस उत्पादन के लिए चरण-3 पहले से ही चल रहा है और जून 2024 में इसके समाप्त होने की संभावना है। 98/2 परियोजना से ओएनजीसी के कुल तेल और गैस उत्पादन में क्रमश:11 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

# ममता राज या गुंडाराज! पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की हालत हुई बद से बदतर, अब ED टीम पर हमला

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज में कानून-व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। राज्य में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के गुंडों का आतंक है। टीएमसी के गुंडे खुलेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अब ताजा मामले में 5 जनवरी 2023 को उत्तर 24 परगना जिला के संदेशकली गांव में प्रवर्तन निदेशालय (ED) टीम पर हमला किया गया। ईडी की टीम राशन घोटाले में बोनगांव नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शंकर आध्या और टीएमसी नेता शाहजहां शेख के घर छापेमारी के लिए पहुंची थी। शाहजहां शेख के घर ईडी टीम के पहुंचते ही उनके समर्थक वहां जमा हो गए। सैकड़ों की भीड़ ने ईडी टीम पर हमला कर दिया और उनकी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इस हमले में दो अधिकारी घायल भी हुए हैं। शेख शाहजहां उत्तर 24 परगना जिला परिषद के मत्स्य एवं पशु संसाधन अधिकारी होने के साथ-साथ संदेशखाली 1 के ब्लॉक अध्यक्ष भी हैं। पश्चिम बंगाल बीजेपी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने ईडी टीम पर हमले की निंदा करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि यह हमला दिखाता है कि रोहिंग्या राज्य में कानून-व्यवस्था के साथ क्या कर रहे हैं।

---

**ममता बनर्जी के गुंडाराज में किस तरह पश्चिम बंगाल में हिंसा का तांडव हो रहा है...**

**टीएमसी विधायक ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर किया हमला**

ममता बनर्जी सरकार में टीएमसी विधायकों और उसके गुंडों का आतंक है। टीएमसी के गुंडे खुलेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं। 05 अगस्त, 2022 को टीएमसी के चुंचुड़ा के विधायक असित मजूमदार ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। उन्होंने बीजेपी का प्रचार कर रहे कार्यकर्ताओं को खुद लाठी लेकर दौड़ाया और उनपर लाठियों से प्रहार किया। एक विधायक होकर असित मजूमदार खुलेआम गुंडागर्दी करते रहे, लेकिन उन्हें रोकने वाला कोई नहीं था।

**विधानसभा में जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं, बीजेपी विधायकों पर हमला**

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तानाशाही बढ़ती ही जा रही है। राज्य में कानून-व्यवस्था का हाल यह है कि आम लोगों की बात तो छोड़िए चुनाव से चुनकर आए प्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं हैं। बीरभूम में दस लोग जिंदा जला दिए गए। बीरभूम नरसंहार के मामले को 28 मार्च, 2022 को जब बीजेपी विधायकों ने विधानसभा में उठाने की कोशिश की तो उनके साथ हाथापाई की गई और कपड़े तक फाड़ दिए गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्पीकर से पूछा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बीरभूम नरसंहार को लेकर सरकारी मदद की घोषणा विधानसभा से बाहर क्यों कर रही हैं? जबकि नियम यह है कि सत्र जारी रहने पर सरकारी फैसलों की जानकारी पहले सदन को देनी होती है। इसके साथ ही बीजेपी विधायक बीरभूम नरसंहार को लेकर परिचर्चा और ममता बनर्जी से बयान की मांग कर रहे थे। इस पर ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के विधायकों ने विरोध करते हुए बीजेपी विधायकों के साथ हाथापाई शुरू कर दी।

**टीएमसी के गुंडों ने 10 लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला**

21 मार्च, 2022 को बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट में 10 लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया। बारशल ग्राम पंचायत के उप-प्रधान और टीएमसी नेता भादू शेख की हत्या के बाद टीएमसी के समर्थकों की हिंसक भीड़ ने 10 से 12 घरों में आग लगा कर बाहर से ताला लगा दिया, जिससे लोग जिंदा जलकर मर गए। टीएमसी के गुंडे इतने जालिम हो गए हैं कि उन्होंने जलते हुए लोगों को बचाने की कोशिश को भी नाकाम कर दिया। फायर ब्रिगेड के एक कर्मचारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि उन्होंने कम से कम 10 घरों को आग से बर्बाद पाया। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ स्थानीय लोगों ने आग बुझाने से भी रोका। अब तक हमें एक घर से 7 शव मिल चुके हैं। वह इतनी बुरी तरह से जले हैं कि यह भी नहीं पहचान हो पाई कि मरने वाले पुरुष थे, महिला थे या फिर नाबालिग हैं।'

**निकाय चुनाव में टीएमसी के गुंडों द्वारा हिंसा व धांधली**

पूरे देश के लोगों ने फरवरी 2022 में पश्चिम बंगाल के निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की गुंडागर्दी व आतंक को देखा। निकाय चुनावों में हिंसा और बूथ लूट को कवर करने के दौरान विभिन्न मीडिया हाउस के कम से कम नौ पत्रकारों को पीटा गया। कोन्नगर के वार्ड 10 के बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा भट्टाचार्य पर हमला किया गया। बीजेपी का आरोप है कि उम्मीदवार को सड़क पर पीटा गया, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई है। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# जलवायु परिवर्तन मानसून के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है...

**पिछले 10 सालों में देश की 55 फीसदी तहसीलों में मानसूनी बारिश बढ़ी**

देश के अधिकांश हिस्से में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा में बढ़ोतरी देखी जा रही है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के एक अध्ययन के अनुसार, देश की 55 फीसदी 'तहसीलों' या सब-डिस्ट्रिक्ट में पिछले दशक (2012-2022) में बारिश में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। इसमें राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु कुछ भागों जैसे पारंपरिक रूप से सूखे क्षेत्रों की तहसीलें शामिल हैं। इनमें से लगभग एक-चौथाई तहसीलों में जून से सितंबर की अवधि के दौरान वर्षा में 30 प्रतिशत से अधिक की स्पष्ट बढ़ोतरी देखी जा रही है। सीईईडब्ल्यू ने 'डिकोडिंग इंडियाज चेंजिंग मानसून पैटर्न' (Decoding India's Changing Monsoon Patterns) अध्ययन में देश की 4,500 से अधिक तहसीलों में 40 वर्षों (1982-2022) के दौरान हुई बारिश का अपनी तरह का पहला सूक्ष्म विश्लेषण किया है। इससे पिछले दशक में तेजी से बदलने वाले और अनियमित मानसून पैटर्न की जानकारी सामने आई है। इसके लिए जलवायु परिवर्तन की तेज होती दर को कारण माना जा सकता है। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन से यह भी पता चलता है कि इन तहसीलों में बारिश में वृद्धि 'कम समय में भारी वर्षा' के रूप में हो रही है, जो अक्सर अचानक आने वाली बाढ़ का कारण बनती है। उदाहरण के लिए, पिछले दशक में (उससे पहले के 30 वर्षों की तुलना में) दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारत की 31 प्रतिशत तहसीलों में प्रति वर्ष भारी बारिश वाले दिनों में चार या अधिक की वृद्धि हुई है। जैसा कि 2023 को वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया था, और 2024 में भी यह रुझान जारी रहने का अनुमान है। ऐसे में जलवायु संकट के विभिन्न प्रभाव मौसम की चरम घटनाओं में बढ़ोतरी के रूप में दिखाई दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में चंडीगढ़ में लगभग आधी वार्षिक बारिश सिर्फ 50 घंटों में हुई थी, जबकि जून में केरल को बारिश में लगभग 60 प्रतिशत घाटे का सामना करना पड़ा था (आईएमडी 2023)।

मानसून, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसे कृषि क्षेत्र की रीढ़ माना जाता है, जो भारत की आधी से अधिक आबादी को रोजगार देने वाला क्षेत्र है। लेकिन सीईईडब्ल्यू (CEEW) अध्ययन से पता चलता है कि पिछले दशक में देश की सिर्फ 11 प्रतिशत तहसीलों में दक्षिण-पश्चिम मानसूनी बारिश में कमी दिखाई दी है। ये सभी तहसीलें वर्षा आधारित सिंधु-गंगा के मैदान, पूर्वोत्तर भारत और ऊपरी हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हैं। ये क्षेत्र भारत के कृषि उत्पादन के लिए अति-महत्वपूर्ण हैं और जहां नाजुक पारिस्थितिकी-तंत्र (fragile ecosystems) मौजूद है, जो जलवायु की चरम घटनाओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है।

डॉ. विश्वास चितले, सीनियर प्रोग्राम लीड, सीईईडब्ल्यू ने कहा, "जैसा कि भारत 2024 के केंद्रीय बजट के लिए तैयार है, बढ़ती अनियमित बारिश के पैटर्न को देखते हुए अर्थव्यवस्था को भविष्य में ऐसी घटनाओं के प्रभावों से सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा। मानसून हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर असर डालता है। सीईईडब्ल्यू का यह अध्ययन न केवल पूरे भारत में पिछले 40 वर्षों के दौरान दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी मानसून के उतार-चढ़ावों की जानकारी जुटाता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर जोखिम के आकलन के लिए निर्णय-निर्माताओं (decision-makers) को तहसील-स्तरीय बारिश की जानकारी उपलब्ध कराता है। मौसम की बढ़ती चरम घटनाओं को देखते हुए, अति-स्थानीय स्तर पर जलवायु जोखिमों का आकलन करना और कार्य योजनाएं बनाना भारत के लिए बहुत जरूरी है।

# उड़ान योजना से 130 लाख से अधिक लाभान्वित

**जनता के लिए किफायती दरों पर हवाई सुविधा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना को प्रोत्साहन देने के लिए मौजूदा हवाई पट्टियों और हवाई अड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के अपर्युक्त और कम उपयोग वाले हवाई अड्डों को कनेक्टिविटी प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। यह जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।**

## उड़ान योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

I) क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना - उड़ान को क्षेत्रीय मार्गों को जोड़ने वाले कम सेवा वाले/अपर्युक्त मार्गों पर हवाई परिचालन को बढ़ावा देने और जनता के लिए उड़ान को किफायती बनाने के लिए बनाया गया है। ii) केंद्र, राज्य सरकारों और हवाईअड्डा संचालकों की ओर से रियायतों के संदर्भ में वित्तीय प्रोत्साहन चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों को दिया जाता है ताकि कम सेवा वाले/अपर्युक्त हवाई अड्डों/हेलीपोर्ट/जल हवाई अड्डों से परिचालन को प्रोत्साहित किया जा सके और हवाई किराया वहनीय रखा जा सके। iii) चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों को वित्तीय सहायता व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में है। राज्य सरकारें अपने राज्यों से संबंधित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना उड़ानों के लिए वीजीएफ के लिए 20 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करती हैं। पूर्वोत्तर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए वीजीएफ की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। iv) क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना उड़ानों के लिए आरसीएस हवाई अड्डों पर चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों द्वारा शुरू की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निकाले गए एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) पर एक प्रतिशत/दो प्रतिशत की दर से उत्पाद शुल्क लगाया जाता है। v) एयरलाइंस को आरसीएस उड़ानों में विमान के प्रकार और आकार के आधार पर सीटों की एक निश्चित संख्या को आरसीएस सीटों के रूप में प्रतिबद्ध करना आवश्यक है। vi) क्षेत्रीय कनेक्टिविटी फंड (आरसीएफ) पूर्वोत्तर क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह के मार्गों पर उड़ानों के प्रस्थान को छोड़कर 40 टन से अधिक एमटीओडब्ल्यू (अधिकतम टेक-ऑफ वजन) वाले विमानों पर उड़ानों के प्रत्येक प्रस्थान पर लेवी द्वारा बनाया गया है।vii) संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए, मार्ग आवंटन देश के पांच क्षेत्रों उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और उत्तर पूर्व (किसी दिए गए क्षेत्र में 30 प्रतिशत की सीमा के साथ) में समान रूप से फैला हुआ है।।

# ग्लोबल इकोनॉमी अभी होगी और सुस्त, लेकिन बनी रहेगी भारत की रफ्तार- विश्व बैंक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। ऐसे समय में जब दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर सुस्ती छाई हुई है, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व बैंक ने भी कहा है कि ग्लोबल इकोनॉमी अभी और सुस्त रहेगी, लेकिन भारत की रफ्तार बनी रहेगी। विश्व बैंक ने अपनी ताजा ग्लोबल इकोनॉमिक प्रोस्पेक्ट्स रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया है कि साल 2024 में लगातार तीसरे साल ग्लोबल ग्रोथ में सुस्ती देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में विश्व आर्थिक वृद्धि 2023 के 2.6 प्रतिशत की तुलना में और कम होकर 2.4 प्रतिशत पर आ जाएगी। हालांकि साल 2025 में ग्रोथ एक बार फिर बढ़कर 2.7 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी, लेकिन दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बना रहेगा। जबकि भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर उठाए गए ठोस कदमों की वजह से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। विश्व बैंक ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 में 6.4 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 6.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगी।

**आइए देखते हैं देश की अर्थव्यवस्था और विकास पर विभिन्न संस्थानों और रेटिंग एजेंसियों का क्या कहना है...**

**इक्रा ने जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर किया 6.5 प्रतिशत**

**मोदी राज में अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया का भारत पर भरोसा और मजबूत हुआ है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारत की वृद्धि दर अनुमान को 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। इक्रा ने कहा है कि जिंसों के दाम में कमी आने से तीसरी तिमाही में वृद्धि दर हमारे पिछले अनुमान से बेहतर रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इक्रा का कारोबारी गतिविधि 'मॉनिटर' गैर-कृषि संकेतकों में त्योहारों के दौरान वृद्धि दर्शाता है।**

## शताब्दी अंत तक भारतसबसे बड़ी आर्थिक शक्ति

मोदी राज में भारत इस शताब्दी के अंत तक दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। सेंटर फॉर इकोनॉमिक ऐंड बिजनेस रिसर्च ( CEBR- सीईबीआर) की ताजा वर्ल्ड इकनॉमिक लीग टेबल रिपोर्ट में कहा गया है कि सदी के अंत तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार चीन से 90 प्रतिशत बड़ा और अमेरिका के जीडीपी से 30 प्रतिशत बड़ा हो जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि साल 2032 तक जर्मनी और जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके साथ ही भारत की तेज वृद्धि दर बरकरार रहेगी और यह 2024 से 2028 के बीच औसतन 6.5 प्रतिशत रहेगी। सीईबीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में युवाओं की सबसे ज्यादा आबादी है। यहां बढ़ता का मध्य वर्ग, गतिशील उद्यम क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था से बढ़ता जुड़ाव वृद्धि के प्रमुख चालक बनेंगे।

## 2030 तक बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था- एसएंडपी

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल (S&P Global) ने कहा है कि भारत साल 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके साथ यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। एसएंडपी की ताजा 'ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024: न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है और साल 2026 में इसके सात प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार,भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और यह अगले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3,730 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है जो भारत 2027-28 तक 5,000 अरब डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

**चीन नहीं, भारत बनेगा एशिया-प्रशांत का विकास इंजन**

इसके पहले एसएंडपी ने 'चाइना स्लोज इंडिया ग्रोथ' नाम से जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन नहीं, बल्कि भारत एशिया-प्रशांत का विकास इंजन बनेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में उम्मीद जताई है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र का वृद्धि इंजन चीन से हटकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की तरफ स्थानांतरित हो जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर वर्ष 2026 तक बढ़कर सात प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जबकि चीन के लिए इसके सुस्त पड़कर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

**S&P ने बढ़ाया वृद्धि दर अनुमान, बढ़ाकर किया 6.4 प्रतिशत**

इसके पहले रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर अनुमान को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया। रेटिंस एंजेसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था को घरेलू स्तर पर अच्छा सपोर्ट मिल रहा है। ऐसे में महंगाई और कमजोर निर्यात भी भारत की इकनॉमी के ग्रोथ रेट को कमजोर नहीं कर पाएगा। एजेंसी ने कहा है कि मजबूत घरेलू गति के कारण महंगाई और निर्यात से पैदा होने वाली रुकावटें दूर होती दिख रही है जिसके चलते वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है।

**2031 तक डबल होकर 6.7 ट्रिलियन डॉलर की होगी हमारी इकोनॉमी**

एसएंडपी ने कहा है कि भारतीय इकोनॉमी साल 2031 तक बढ़कर डबल हो जाएगी। इसका आकार 3.4 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 6.7 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा। रेटिंग एजेंसी ने अगस्त वॉल्यूम रिपोर्ट 'लुक फॉरवर्ड इंडिया मोमेंट' में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर यह जानकारी साझा की है। एजेंसी ने कहा है कि विनिर्माण और सेवाओं के निर्यात और उपभोक्ता मांग के कारण यह तेजी बनी रहेगी। एसएंडपी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अर्थव्यवस्था लगभग दोगुनी होने से प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ जाएगी। 2031 तक भारत पर कैपिटा जीडीपी 2500 से बढ़कर 4500 डॉलर तक हो जाएगी।

**UBS ने भारत के वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर किया 6.3 प्रतिशत**

ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस (UBS) ने मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। यूबीएस की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने कहा कि भारत की घरेलू आर्थिक गतिविधियां उम्मीद से बेहतर चल रही हैं। निकट भविष्य में वृद्धि की गति को मौजूदा त्योहारी सीजन के दौरान उच्च घरेलू खर्च, तेज ऋण वृद्धि और कड़े चुनावी कैलेंडर से पहले ग्रामीण समर्थक सामाजिक योजनाओं के लिए सरकारी खर्च से समर्थन मिलेगा। उन्होंने ये भी कहा कि भारत की वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2 प्रतिशत और 2026-27 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

**2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत**

मोदी सरकार की नीतियों के कारण भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस बात पर ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने भी मुहर लगा दी है। मॉर्गन स्टेनली की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत साल 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी डॉलर के आधार पर भारत की सांकेतिक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 तक बढ़कर 12.4 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी और यह चीन, अमेरिका और यूरो क्षेत्र से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह वित्त वर्ष 2024 में सात प्रतिशत रहेगी। उच्च विकास दर के कारण भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से बढ़ेगी। मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि उम्मीद है कि 2027 तक सांकेतिक जीडीपी पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

**साल 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत- जेपी मॉर्गन**

जेपी मॉर्गन ने भी कहा है कि अब भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में ज्यादा देर नहीं है। जेपी मॉर्गन के एशिया प्रशांत इक्विटी रिसर्च के मैनेजिंग डायरेक्टर जेम्स सुलिवन की मानें तो भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने यह भी कहा है कि 2030 तक भारत की जीडीपी दोगुनी से ज्यादा 7 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। बिजनेस न्यूज चैनल CNBC-TV18 के साथ एक इंटरव्यू में सुलिवन ने कहा कि अगले कुछ सालों में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी और इसका शेयर बाजार अच्छा प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि लंबी अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े संरचनात्मक बदलाव होंगे। सुलिवन ने कहा कि अगले कुछ महीनों में निर्यात में भी तेजी आने का

# देश का सबसे बड़ा समुद्री ब्रिज 'अटल सेतु'

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अब देश छोटे सपने नहीं देखता है। पीएम मोदी ने देशवासियों को सामर्थ्य का भान कराया और देशवासियों में ऐसा आत्मविश्वास जगाया कि अब देश नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। बात चाहे दुनिया के सबसे बड़े कन्वेंशन सेंटरों में से एक 'यशोभूमि' की हो या फिर 'भारत मंडपम' की अब भारत छोटी सफलता से खुश नहीं होता। पीएम मोदी की प्रेरणा से दुनिया का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म, सबसे ऊंची प्रतिमा, सबसे लंबी हाईवे टनल, सबसे ऊंचा रेल ब्रिज, सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, सबसे बड़ा सोलर पावर प्लांट, सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग आज भारत के नाम दर्ज हो चुका है। इसी कड़ी में अब देश का सबसे लंबा समुद्र से गुजरने वाला ब्रिज तैयार हो गया है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को करेंगे। इस ब्रिज के उद्घाटन के बाद दो घंटे का सफर सिर्फ 35 मिनट में पूरा हो सकेगा।**

**'अटल सेतु' से दो घंटे का सफर 35 मिनट में पूरा होगा**

देश का सबसे लंबा समुद्र से गुजरने वाला ब्रिज मुंबई में तैयार है, इस ब्रिज की कुल लंबाई 21.8 किमी है। यह ब्रिज मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक अब अटल सेतु के नाम से जाना जाएगा। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी 2024 को करेंगे। देश का सबसे लंबा समुद्री पुल राष्ट्रीय राजमार्ग में मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। इससे दो घंटे का सफर इस पुल के जरिए सिर्फ 35 मिनट में पूरा हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2018 में मुंबई के शिवड़ी से न्हावासेवा के बीच 22 किलोमीटर लंबे इस पुल के निर्माण की आधारशिला रखी थी।

**'अटल सेतु' में 17 एफिल टॉवर के बराबर लगा लोहा**

पुल बनाने में 1.70 लाख मीट्रिक टन स्टील बार का उपयोग किया गया है, जिससे 17 एफिल टॉवर बनाए जा सकते हैं। पृथ्वी के व्यास का चार गुना यानि गुना (9.75 लाख क्यूबिक मीटर) कंक्रीट लगा है।

**7500 श्रमिकों और करीब 600 इंजीनियरों का योगदान**

प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी मुंबई महानगर क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारी इसे इंजीनियरिंग का चमत्कार बताते हैं। एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एमटीएचएल प्रोजेक्ट में 7500 श्रमिकों और करीब 600 इंजीनियर प्रतिदिन काम कर इसे पूरा किया। वहीं, 5 देशों के इंजीनियरों ने भी इसमें अपना योगदान दिया है।

मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक देश का सबसे लंबा समुद्री पुल है। इसकी लंबाई 21.8 किमी है। इस पुल का कुल विस्तार समुद्र के ऊपर 16.5 किलोमीटर है। यह समुद्र पुल 6 लेने का है। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक दक्षिणी मुंबई को नवी मुंबई से जोड़कर महानगर क्षेत्र से कनेक्टिविटी की सुविधा में विस्तार करेगा। इस समुद्र पुल के निर्माण से यातायात सिस्टम में सुधार आएगा और लोगों को ट्रैफिक की समस्या से भी जूझना नहीं पड़ेगा। मुंबई के बांद्रा वर्ली सी लिंक के मुकाबले यह पुल 4 गुना अधिक लंबा है।समुद्र पुल बनने से दक्षिणी मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक जाना आसान हो जाएगा। समुद्र पुल बनने से मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे तक पहुंचना भी आसान हो जाएगा। देश के सबसे बड़े समुद्र पुल से करीब 70 हजार वाहन रोज गुजरने का अनुमान है। इस समुद्र पुल बनाने की कुल लागत 17,843 करोड़ रुपये आई है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत किस तरह एक के बाद एक रिकार्ड कायम कर रहा है उस पर एक नजर-

# भारतीय पासपोर्ट की साख हुई और मजबूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनियाभर में भारत की साख मजबूत हुई है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की तमाम रैंकिंग में सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय पासपोर्ट वैश्विक स्तर पर और ज्यादा मजबूत हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2024 में भारतीय पासपोर्ट को 80वें स्थान पर रखा गया है। भारतीय पासपोर्ट पर अब आप 62 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक हालिया रिपोर्ट में पहले नंबर पर एक-दो नहीं बल्कि छह देश हैं। इसमें फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, सिंगापुर और जापान शामिल हैं। सबसे कमजोर पासपोर्ट की लिस्ट में अफगानिस्तान सबसे ऊपर है। सबसे कमजोर पासपोर्ट में पाकिस्तान नीचे से चौथे नंबर पर है।

- **सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की लिस्ट में भारत 69वें नंबर पर** - इसके पहले आर्टन कैपिटल ने 2022 में दुनिया के सबसे ताकतवर और कमजोर पासपोर्ट वाले देशों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में यूएई के पासपोर्ट को सबसे मजबूत बताया गया, जबकि भारत का पासपोर्ट 69 वें स्थान पर रहा। इस लिस्ट से यह पता चलता है कि किस देश के नागरिकों को कितने देशों में वीजा फ्री प्रवेश और कितने देशों में वीजा ऑन अराइवल प्रवेश मिल सकता है। इस पासपोर्ट इंडेक्स को यूनाइटेड नेशन के 139 सदस्य देशों और इसके 6 विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। इस इंडेक्स को तैयार करने में उपयोग किया गया डाटा सरकार की ओर से उपलब्ध कराया जाता है।
- **4 साल के उच्चतम स्तर पर कंज्यूमर कॉन्फिडेंस** - अब एक अच्छी खबर यह है कि सितंबर में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस 4 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि सितंबर 2023 में वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति और रोजगार की स्थिति के बेहतर आकलन के कारण वर्तमान स्थिति सूचकांक चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार, 6 अक्तूबर को जारी आरबीआई के अपने द्विमासिक उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के मुताबिक सीएसआई 92.2 पर पहुंच गया है। आरबीआई का यह सर्वेक्षण 2 से 11 सितंबर तक 19 प्रमुख शहरों में 6,077 लोगों के बीच किया गया।
- **ग्लोबल पीस इंडेक्स 2023 में 9 पायदान चढ़कर 126वें पर पहुंचा भारत** - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया के तमाम रैंकिंग में भारत की स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है। जहां तक देश में शांति और सामाजिक सुरक्षा की बात है तो इसमें पिछले एक साल में बढ़ोतरी हुई है। ग्लोबल पीस इंडेक्स 2023 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत 9 पायदान चढ़कर 126वें पर पहुंच गया है। जबकि पिछले साल 2022 में उसे 135वें स्थान पर रखा गया था। यह इंडेक्स घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, सामाजिक सुरक्षा समेत दो दर्जन मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन के बाद जारी की गई है। ग्लोबल पीस इंडेक्स 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडेक्स में 163 देशों की रैंकिंग दी गई है। इसमें भारत का स्थान 126वां है। हिंसक अपराध, पड़ोसी देशों के संबंधों और राजनीतिक अस्थिरता में सुधार के कारण, पिछले वर्ष देश में समग्र शांति में 3.5 प्रतिशत का सुधार हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, आइसलैंड (Iceland) दुनिया का सबसे शांत देश है, जबकि अफगानिस्तान सबसे अशांत देश है।

# देश में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से निकले

**आजादी के बाद देश पर अधिकतर समय कांग्रेस ने शासन किया लेकिन गरीबी दूर करने का केवल नारा ही दिया। इंदिरा गांधी ने 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था। उसके बाद नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस के नेता अमीर होते गए, जबकि गरीबों की जिंदगी में कोई सुधार नहीं हुआ।**

कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और घोटालों की वजह से सरकारी योजनाओं का लाभ गरीबों को नहीं मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभालने के साथ ही गरीबों के कल्याण के लिए काम करना शुरू कर दिया। सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सीधे गरीबों तक पहुंचाया। उनकी कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं ने गरीबों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। इसका प्रमाण नीति आयोग द्वारा जुलाई 2023 में जारी राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक की रिपोर्ट से मिलता है। इस सूचकांक के मुताबिक पिछले पांच सालों में करीब 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मोदी सरकार ने गरीबों के उत्थान के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की जिसकी वजह से गरीबों का जीवन आसान हुआ है और उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

देश में गरीब लोगों का प्रतिशत 24.85 से घटकर हुआ 14.96 प्रतिशत

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने 17 जुलाई, 2023 "राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023" की रिपोर्ट जारी की। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक मोदी सरकार के कार्यकाल में दो नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे हुए। इससे पता चलता है कि बहुआयामी गरीबी को कम करने में मोदी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। 2015-16 और 2019-20 के बीच देश में गरीबों की संख्या करीब 24.85 प्रतिशत थी, जो अब गिरकर करीब 14.96 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यानि कुल 9.89 प्रतिशत की शानदार गिरावट सामने आई है।

**शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी के प्रतिशत में तेज गिरावट**

नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में गरीबी के प्रतिशत में गिरावट आई है। 2015-16 और 2019-20 के दौरान शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत हो गई, इसके मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी काफी तेजी से 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है। यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सबसे ज्यादा लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए जो कि गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है। 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी संबंधी अनुमान प्रदान करने वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तीव्र कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में हुई है।

**2030 से काफी पहले एसडीजी लक्ष्य हासिल करेगा भारत**

मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसका असर भी दिखाई दे रहा है। एमपीआई मूल्य 0.117 से लगभग आधा होकर 0.066 हो गया है। वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच गरीबी की तीव्रता पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा कम करने का लक्ष्य) को हासिल करने के पथ पर अग्रसर है। इससे सतत और सबका विकास सुनिश्चित करने और वर्ष 2030 तक गरीबी उन्मूलन पर सरकार का रणनीतिक फोकस और एसडीजी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# Upcoming ICC Men's T20 World Cup

टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आगामी 1 जून से होने जा रहा है, लेकिन 5 जून को भारत का मुकाबला आयरलैंड से न्यूयॉर्क में होगा। वहीं, 9 जून को टीम इंडिया का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। इसके अलावा 12 जून को भारत का मुकाबला यूएसए से होगा। आगामी 15 जून को टीम इंडिया का मुकाबला कनाडा से होगा। उधर, इस शेड्यूल से वाकिफ होने के बाद टीम इंडिया के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। आइए, अब आगे आपको इस शेड्यूल के बारे में और विस्तार से बताते हैं।

टी-20 विश्व कप में टोटल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी को चार ग्रुप में बांट दिया गया है। हर ग्रुप में चार टीमें शामिल हैं। ग्रुप A में भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और यूएस है। ग्रुप B की बात करें तो इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड, ओमन है। ग्रुप C में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी है। ग्रुप D में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड, नेपाल है। मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रुप स्टेज के मुकाबले 18 जून को खेले जाएंगे, जिसमें 2-2 टीमें सुपर 8 में पहुंचेगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। बहरहाल, टी-20 विश्व कप का यह मुकाबला कैसा रहता है। इस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

Lok Shakti

NATIONALISM
OPENION
REMARK
DISCOVERY
ENLIGHTEN
ANALYSIS
KNOWLEDGE
POLITICS
IDEOLOGY

## Access Lok Shakti online for free.

**Now, read Lok Shakti on your smart phone instantly.**
**Point your phone's scanner on the**
**code and align it in the frame.**
**You will be guided instantly to www.lokshakti.in.**

All Rights Reserved
Terms & Conditions Apply.
Lok Shakti exclusively holds all the rights to cancel the subscription without any prior Notice.
If you wish to Unsubscribe, let us know at the official contact no.
In case of any Dispute, Jurisdiction area will be Raipur

Owner, Printer, Publisher & Editor- Premendra Agrawal, Published from 5/756, Desh Bandhu Press Road, Behind Sindhi School, Raipur (C.G.) - 492001
& Printed at Commercial Services, Ramsagarpara, Raipur (C.G.)